आषाढ़ कृष्ण पक्ष -13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 07 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

12 जुलाई 2026 रविवार

आज का मौसम

31.5 अधिकतम

25.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

ट्विशा शर्मा केस... एम्स ने सीबीआई को सौंपी दूसरे पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट

फांसी के लिए इस्तेमाल हुए जिम्नास्टिक बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

एक्टर और मॉडल रही ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में एम्स दिल्ली की टीम ने एक महीने की गहन जांच के बाद तैयार की गई 11 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंप दी है। कोर्ट के आदेशों के तहत यह रिपोर्ट गोपनीय रखी गई है। सूत्रों के मुताबिक, एम्स मेडिकल बोर्ड द्वारा की गई लैब और हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच में उस जिम बेल्ट पर स्किन टिश्यू (त्वचा के अंश) होने की पुष्टि हुई है, जिससे फांसी लगाने की बात कही गई है।

जांच में यह भी सामने आया है कि बेल्ट पर मिले ये स्किन टिश्यू शव पर पाए गए फंदे के निशान

(लिगेचर मार्क) से मेल खाते हैं। फॉरेंसिक विभाग के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता के अनुसार बोर्ड ने किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले मामले के हर एंगल की जांच की थी। उन्होंने हाई कोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट की जानकारी का खुलासा करने से इनकार कर दिया। डॉ. सुधीर गुप्ता ने बताया कि मेडिकल बोर्ड ने मामले की बारीकियों पर हर संभव नजरिए से बहुत गहराई से विचार किया। लगभग एक महीने तक सभी उपलब्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स को ध्यान में रखा और वैज्ञानिक आधार के साथ विस्तृत राय दी है। सच्चाई और न्याय के हित में जांच एजेंसी और न्यायपालिका के लिए यह बिल्कुल स्पष्ट राय है।

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल उस जिम्नास्टिक बेल्ट को लेकर था, जिसमें मेटल की एक रिंग लगी हुई थी। जांच एजेंसियों का दावा था कि इसी बेल्ट का इस्तेमाल फांसी लगाने के लिए किया गया था। पहले पोस्टमॉर्टम के दौरान यह बेल्ट मेडिकल बोर्ड के सामने पेश नहीं की गई थी। इसलिए डॉक्टर यह तय नहीं कर पाए थे कि गले पर मिले निशान उसी बेल्ट से बने थे या नहीं। इसी वजह से हाईकोर्ट ने दूसरा पोस्टमॉर्टम कराने का आदेश दिया था। इस पूरे मामले में मुख्य फॉरेंसिक से सवाल यही था कि क्या गर्दन पर मिले घावों की स्थिति को देखते हुए, लोहे की रिंग वाली उस जिम्नास्टिक्स बेल्ट को ही असल फंदा माना जा सकता है, जिससे उसका गला दबने से मौत हुई हो। उल्लेखनीय है कि रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा शर्मा का शव भोपाल में उसके ससुराल में फंदे पर लटका मिला था। उसके परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। दूसरे पोस्टमार्टम के आदेश के बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी।

अब इंग्लैंड से मुकाबला

अर्जेंटीना छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

कैंसस, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्योंय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ। मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

न्यूज विंडो

बंगाल की खाड़ी में भूकंप विशाखापत्तनम तक लगे झटके

अमरावती। आंध्र प्रदेश के तट से दूर बंगाल की खाड़ी में आज सुबह 4.5 तीव्रता का हल्का भूकंप आया, जिसके झटके विशाखापत्तनम शहर के कई इलाकों में महसूस किए गए। हालांकि, इस घटना में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र के अनुसार सुबह आए भूकंप तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा तट से करीब 225 किलोमीटर दूर स्थित था। इसका केंद्र 16.805 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 84.381 डिग्री पूर्वी देशांतर पर समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

कतर के पूर्व शासक शेख हमद बिन खलीफा का निधन

दोहा। कतर के पूर्व अमीर यानी शासक शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का रविवार सुबह निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। कतर की सरकारी समाचार एजेंसी, कतर न्यूज एजेंसी ने उनके निधन की पुष्टि की है। हालांकि, मौत के कारणों की आधिकारिक जानकारी अभी नहीं दी गई है। बयान में कहा गया कि अल्लाह के फैसले को स्वीकार करते हुए हम गहरे दुख के साथ पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन की जानकारी देते हैं। अल्लाह उन्हें जन्नत नसीब करें।

भारतीय मूल की महिला की हत्या बेटा घायल, आरोपी पति गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक व्यक्ति को अपनी भारतीय मूल की पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने और अपने बेटे को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। आरोपी किर्क बी रेजियन (56 वर्षीय) को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसे कॉब काउंटी के वयस्क हिरासत केंद्र में रखा गया है।

दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आजमगढ़ और एक दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए तीनों शूटर दिल्ली में एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में जुटे थे। इसी दौरान रोहिणी जिला पुलिस को उनके मूवमेंट के बारे में जानकारी मिली और उन्हें दबोच लिया गया।यह भी पता चला है कि वे पहले कई आपराधिक घटनाओं का अंजाम दे चुके हैं, इनमें हत्या और फायरिंग की घटना आदि शामिल है।

लगातार बढ़ता तनाव... होर्मुज में जहाज पर अटैक के जवाब में कार्रवाई

140 ठिकानों पर अमेरिकी हमला ईरान का कई देशों पर पलटवार

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। आज तड़के अमेरिका ने ईरान पर हमले का नया दौर शुरू किया। अमेरिका ने ईरान में 140 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइल हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड सेंटकॉम ने बताया कि यह हमला होर्मुज में साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर हुए हमले के जवाब में किया गया। हमले में जहाज में आग लग गई, इंजन को भारी नुकसान पहुंचा और चालक दल का एक सदस्य लापता है।

अमेरिका का कहना है कि व्यावसायिक जहाजों पर पहले हुए हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद, ईरान को 'मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' का पालन करने का एक और मौका दिया गया था, लेकिन वह फिर से ऐसा करने में नाकाम रहा। इसके जवाब में, अमेरिका ईरान की उस क्षमता को कम करके उसे भारी कीमत चुकाने पर मजबूर कर रहा है, जिसके जरिए वह स्ट्रेट से गुजरने वाले आम नाविकों और व्यावसायिक जहाजों पर आसानी से हमले करता है। ये हमले कमांडर-इन-चीफ के निर्देश पर किए जा रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ईरान ने गलत फैसला किया, अब उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले - ईरान ने गलत फैसला किया, कीमत चुकानी होगी

मिसाइल और ड्रोन साइट्स को निशाना बनाया

सेंटकॉम के मुताबिक, जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया है, उनमें ईरान की मिसाइल और ड्रोन साइटें, नौसैनिक क्षमताएं, गोला-बारूद भंडारण सुविधाएं, संचार नेटवर्क और तटीय निगरानी केंद्र शामिल है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि इन हमलों से ईरान की स्ट्रेट से गुजरने वाले नागरिकों और जहाजों पर आसानी से हमला करने की क्षमता में कमी आएगी। एयरस्ट्राइक के कुछ ही देर बाद ईरान ने पलटवार का दावा किया। ईरानी सरकारी टीवी आईआरआईबी के मुताबिक, ईरानी सेना ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए। ईरान का दावा है कि कुवैत में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, गोला-बारूद डिपो और रडार साइट, जबकि बहरीन में अमेरिकी कम्युनिकेशन सिस्टम और रडार साइट को निशाना बनाया गया। हालांकि, इन हमलों की अमेरिका, कुवैत या बहरीन ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। दोनों देशों के बीच तनाव के बीच ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अब एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका है. गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि हमने पहले ही कहा था-वादा निभाओ, नहीं तो कीमत चुकाओ। अब हकीकत सामने है।

न्यूक्लियर साइट्स का दोबारा निर्माण

अली खामेनेई के निधन के बाद पहली बार नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि अपने पिता और युद्ध में मारे गए लोगों के खून का बदला लिया जाएगा। उधर , सीएनएन ने सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर दावा किया कि ईरान पारचिन समेत कुछ न्यूक्लियर साइट्स की मरम्मत और दोबारा निर्माण कर रहा है। रिपोर्ट में इसे अमेरिका-ईरान समझौते का संभावित उल्लंघन बताया गया है । जबकि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका खुद एमओयू का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि समझौता तभी चलेगा, जब दोनों पक्ष उसका पालन करें। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की, तो अमेरिका हजारों मिसाइलों से जवाब देगा। उन्होंने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं।

इटली में प्रदेश की बेटी का कमाल

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप शॉटगन में नीरू ने जीता गोल्ड

भोपाल/रोम। मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढांडा ने इटली के लोनाटो में आयोजित आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतकर भारत और मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। 3 से 13 जुलाई तक आयोजित इस प्रतियोगिता में दुनिया के कई देशों के निशानेबाजों के बीच नीरू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, अकादमी की दूसरी खिलाड़ी मनीषा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष-10 में जगह बनाई। विश्व शूटिंग कैलेंडर की प्रमुख प्रतियोगिताओं में शामिल इस वर्ल्ड कप में नीरू ढांडा ने पूरे मुकाबले के दौरान सटीक निशाने और शानदार प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीता। उनकी इस सफलता को मध्यप्रदेश की खेल अकादमियों के बेहतर प्रशिक्षण का परिणाम माना जा रहा है।

पहलगाम में बादल फटा और उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, वाहन-मशीनें मलबे में दबीं

श्रीनगर/देहरादून। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का वॉटरलेवल बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आ गई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं।

उधर देश के लगभग 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आंध्र प्रदेश में कोविड का खतरा बढ़ा, 2 की मौत 8 सक्रिय मामले आए

अमरावती। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 के आठ मामले सामने आए हैं और दो मरीजों की मौत हो चुकी है. नए मामले सामने आने और मरीजों की मौत के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और तैयारी के उपायों को तेज कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, कडप्पा के राजमपेट इलाके में एक 52 वर्षीय व्यक्ति को बुखार और खांसी की शिकायत हुई। जांच में व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया, जिसकी वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं एक दूसरे मामले में कडप्पा के 43 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

राखी के शगुन की भी तैयारी में सरकार

लाड़ली बहनों को आज मिलेगी 38वीं क़िस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की सवा करोड़ लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन पर एक बार फिर शगुन की राशि मिल सकती है। इसके तहत 250 रुपए की राशि अतिरिक्त दी जा सकती है। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज लाड़ली बहना योजना की 38 वीं किस्त जारी कर रहे हैं। भिंड जिले के लहार में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 15 हजार से ज्यादा बहनों के खातों में सिंगल क्लिक के जरिए 1835 करोड़ से ज्यादा की राशि ट्रांसफर की जाएगी। सरकार की सबसे लोकप्रिय योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं के खातों में शुरूआत से लेकर अभी तक 37 किस्तों में पैसा भेजा जा चुका है।

कार्यक्रम में लाड़ली बहनों के अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करने के अलावा 238.96 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो चुके विकास कार्यों का भी लोकार्पण करेंगे. इसके अलावा 83.33 करोड़ की लागत से तैयार 16 नई परियोजनाओं का भी भूमि पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही अगस्त माह में लाड़ली बहना योजना की 39 वीं किस्त को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इसी महीने में रक्षाबंधन त्यौहार भी है। सूत्रों का कहना है कि अगली क़िस्त में शगुन के रूप में 250 रुपए की राशि अलग से दी जा सकती है।

पिछले साल भी यह राशि दी गई थी। उल्लेखनीय है कि जून 2023 से अभी तक महिलाओं के खातों में 59596 करोड़ से ज्यादा की राशि डाली जा चुकी है।

मेट्रो एंकर | राम मंदिर के लिए सीईओ की तलाश के बीच इस 'ख़ास कोर्स' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

मंदिरों की भीड़, चढ़ावा संभालने के लिए भी हैं प्रोफेशनल डिग्री-डिप्लोमा

नई दिल्ली, एजेंसी

अयोध्या के भव्य राम मंदिर के लिए नए सीईओ की तलाश चल रही है। दिल्ली में हुई राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की सर्च कमेटी की पहली बैठक में नए मुखिया के चयन के लिए सख्त नियम तय किए गए हैं। इस हाई-प्रोफाइल पद के लिए कम से कम 20 साल का प्रशासनिक या फाइनेंशियल अनुभव मांगा गया है। लेकिन, दिलचस्प बात है कि सिलेक्शन में टेंपल मैनेजमेंट यानी मंदिर प्रबंधन का अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

देश के बड़े आस्था केंद्रों और धार्मिक स्थलों को अब कॉर्पोरेट स्टाइल में संभाला जा रहा है। इसी वजह से टेंपल मैनेजमेंट कोर्स तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। बड़े मंदिरों के प्रबंधन, क्राउड मैनेजमेंट और वहां का फंड संभालने के लिए टेंपल मैनेजमेंट के एक्सपर्ट तैयार किए जाते हैं। इस फील्ड में सर्टिफिकेट,

डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा स्तर के कोर्स उपलब्ध हैं। शॉर्ट-टर्म या डिप्लोमा कोर्स करने के लिए किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी है। वहीं, बड़े पदों या पीजी डिप्लोमा के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री अनिवार्य होती है। राम मंदिर के सीईओ के लिए न्यूनतम योग्यता ग्रेजुएशन रखी गई है। भारत में कई यूनिवर्सिटीज और धार्मिक संस्थान टेंपल मैनेजमेंट या उससे जुड़े कोर्स ऑफर करते हैं। आंध्र यूनिवर्सिटी (विशाखापट्टनम) में मंदिर प्रबंधन में डिप्लोमा कोर्स कराया जाता है। तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े संस्थान समय-समय पर इसके लिए ट्रेनिंग और वर्कशॉप आयोजित करते हैं। मुंबई यूनिवर्सिटी और कुछ संस्कृत यूनिवर्सिटी के तहत भी हेरिटेज और रिलिजियस टूरिज्म और मैनेजमेंट से जुड़े शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाते हैं। सरकारी यूनिवर्सिटी और सरकारी अनुदान प्राप्त संस्थानों में इस कोर्स की सालाना फीस 5,000 रुपये से लेकर 25,000 रुपये के बीच होती है। कुछ निजी संस्थान या विशेष ट्रस्ट अपने स्तर पर अलग फीस तय कर सकते हैं।

यूनीक होता है सिलेबस

टेंपल मैनेजमेंट कोर्स का सिलेबस काफी यूनीक होता है। इसमें त्योहारों पर जुटने वाली लाखों की भीड़ को बिना किसी हादसे के संभालना, मंदिर में आने वाले दान, चढ़ावे और ट्रस्ट के पैसों का हिसाब-किताब रखना और मंदिर से जुड़े ट्रस्ट एक्ट, भूमि विवाद और सरकारी नियमों की जानकारी के बारे में पढ़ाया जाता है। इसके अलावा श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन (प्रसाद) की व्यवस्था और परिसर को साफ रखना,प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला, इतिहास और उनका धार्मिक महत्व भी समझाया जाता है। इस फील्ड में जगह बनाने और सफल होने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए। साथ ही संकट के समय तुरंत फैसला लेने की क्षमता, धैर्य, टीम को साथ लेकर चलने का हुनर और सनातन परंपराओं के प्रति गहरी निष्ठा होना जरूरी है।

आज का कार्टून

जनता नगर कॉलोनी कचरे के ढेर में तब्दील, रहवासियों का फूटा गुस्सा

नगर निगम की अनदेखी से बढ़ी परेशानी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के पुराने शहर स्थित जनता नगर कॉलोनी में सफाई व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। नगर निगम की लापरवाही के चलते कॉलोनी के विभिन्न स्थानों पर बने अस्थायी कचरा घर अब बड़े-बड़े कचरे के ढेर में बदल चुके हैं। नियमित रूप से कचरा नहीं उठाए जाने के कारण गंदगी लगातार बढ़ रही है, जिससे स्थानीय रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रहवासियों का कहना है कि कई दिनों तक कचरा नहीं उठने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। वहीं, आवारा मवेशी और कुत्ते कचरे को सड़कों पर बिखेर देते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। बरसात के मौसम में गीले कचरे के कारण मच्छरों और मक्खियों की संख्या बढ़ गई है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम प्रशासन ने समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। रहवासियों ने मांग की है कि कॉलोनी में नियमित कचरा संग्रहण और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कचरे के ढेरों को तत्काल हटाकर क्षेत्र को स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जाए।

भोपाल नगर निगम में करोड़ों रुपए के टैक्स घोटाले की आहट

500 से ज्यादा खातों में हेरफेर, स्कूल का एरिया घटाकर बचाए लाखों रुपए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल नगर निगम की संपत्ति कर व्यवस्था में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का खुलासा होने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। ऑडिट के दौरान 500 से अधिक संपत्ति कर खातों में गड़बड़ी और रिकॉर्ड में हेरफेर की आशंका सामने आई है। जांच में कर निर्धारण, संपत्तियों के क्षेत्रफल में बदलाव और कर राशि कम करने जैसे मामलों का खुलासा हुआ है।

सबसे अधिक संदिग्ध मामले जोन-एक के वार्ड-तीन में सामने आए हैं, जहां 130 से अधिक खातों की जांच चल रही है। इसके अलावा जोन-दो, छह, सात, 10, 13 और 17 में भी कर चोरी और रिकॉर्ड में छेड़छाड़ के संकेत मिले हैं। प्रारंभिक जांच में जोनल अधिकारियों, वार्ड प्रभारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है।

नगर निगम प्रशासन ने सभी संदिग्ध खातों का सत्यापन शुरू कर दिया है। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने स्पष्ट किया है कि राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस खुलासे ने नगर निगम की कर वसूली व्यवस्था की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईदगाह हिल्स के निजी स्कूल का मामला भी चौंकाने वाला

जांच के दौरान जोन-दो के वार्ड-10 स्थित ईदगाह हिल्स के एक निजी स्कूल का मामला सबसे चौंकाने वाला सामने आया। स्कूल पर पहले 7.71 लाख रुपये का संपत्ति कर निर्धारित किया गया था, लेकिन बाद में रिकॉर्ड में बदलाव कर इसे घटाकर करीब 1.09 लाख रुपये कर दिया गया। जांच में सामने आया कि भवन का क्षेत्रफल पहले लगभग 35 हजार वर्गफीट दर्ज था, जिसे बाद में घटाकर महज 5,500 वर्गफीट कर दिया गया। क्षेत्रफल कम होते ही कर राशि में भी भारी कमी आ गई। मामले में संबंधित जोनल अधिकारी और कंप्यूटर ऑपरेटर की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। निगम अब यह पता लगाने में जुटा है कि यह बदलाव किसके निर्देश पर और किन परिस्थितियों में किया गया। मामले को निगम के सबसे बड़े कर हेरफेर मामलों में से एक माना जा रहा है।

14.69 लाख की रसीदें कटीं खाते में नहीं पहुंची रकम

जोन-दो के वार्ड-33 में संपत्ति कर वसूली में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया था। जांच में पता चला कि वार्ड प्रभारी की यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल कर 14.69 लाख रुपये की 106 रसीदें जारी की गई, लेकिन संबंधित राशि नगर निगम के खाते में जमा ही नहीं हुई। मामले की जांच के बाद निगम प्रशासन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर शिराज उलहक और मोहम्मद समीर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इस प्रकरण ने निगम की ऑनलाइन कर वसूली प्रणाली की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते यह मामला सामने नहीं आता तो राजस्व हानि का आंकड़ा और अधिक बढ़ सकता था। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि संपत्ति कर रिकॉर्ड में हेरफेर किसी एक व्यक्ति का काम नहीं बल्कि एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जांच एजेंसियां जोनल अधिकारियों, वार्ड प्रभारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। कई मामलों में कर निर्धारण में बदलाव, संपत्ति का क्षेत्रफल कम दिखाना और रिकॉर्ड में संशोधन जैसी अनियमितताएं सामने आई हैं। निगम प्रशासन अब सभी संदिग्ध खातों का पुनः सत्यापन करा रहा है। आयुक्त संस्कृति जैन ने स्पष्ट किया है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किए जाएंगे। नगर निगम का दावा है कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कर प्रणाली में अतिरिक्त निगरानी और तकनीकी सुरक्षा उपाय भी लागू किए जाएंगे।

बाल सुधार गृह में दो बच्चों के साथ सामूहिक कुकर्म, 11 पर FIR दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में संचालित बालक सुधार केंद्र (बदला हुआ नाम) में दो बच्चों के साथ सामूहिक मारपीट और यौन उत्पीड़न की एक दहला देने वाली घटना सामने आई है। विभिन्न मामलों में आरोपित होने के बाद यहां लाए गए दोनों बच्चों के साथ वहां रखे गए हमउम्र अपचारी कई दिनों से मारपीट और कुकर्म कर रहे थे। जांच के बाद श्यामला हिल्स पुलिस ने 11 आरोपितों के विरुद्ध पॉक्सो और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपितों को दूसरे केंद्र में स्थानांतरित किया जा रहा है।

मेडिकल परीक्षण में यौन उत्पीड़न की पुष्टि

सहायक पुलिस आयुक्त संतोष पटेल ने बताया कि सात जुलाई को बालक सुधार केंद्र प्रबंधन से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई। दोनों पीड़ित किशोरों के बयान दर्ज कर अलग-अलग प्रकरण कायम किए गए है। मेडिकल परीक्षण में यौन उत्पीड़न की पुष्टि होने के बाद प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। एक मामले में छह और दूसरे में पांच विधि-विरोधी बालकों को आरोपित बनाया गया है। दोनों मामलों में कुल 11 किशोरों की भूमिका सामने आई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटनाएं कब से हो रही थीं, कितनी बार हुईं और संस्थान के भीतर लगातार उत्पीड़न कैसे चलता रहा। बताया जा रहा है कि दोनों पीड़ितों ने पिछले दिनों मुलाकात के दौरान अपने स्वजनों को अपने साथ ही हो रही अमानवीयता की जानकारी दी थी। इसके बाद परिवार संबंधित जिलों में प्रशासन के पास पहुंचे और शिकायत की। शिकायत भोपाल पहुंचने पर सुधार गृह ने जांच शुरू की, उसके बाद एफआइआर दर्ज की गई। केस दर्ज होने के बाद सभी 11 आरोपितों को दूसरे केंद्र में स्थानांतरित किया जा रहा है। बालक सुधार केंद्र की पूरी व्यवस्था अब कठघरे में है। यहां पर्याप्त स्थान, खेल मैदान, खुला वातावरण और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी लगातार बनी हुई है। करीब एक वर्ष पहले भी जिला प्रशासन और न्यायालय के समक्ष यहां की अव्यवस्थाओं का मुद्दा उठाया गया था, लेकिन हालात में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। यह पहला अवसर नहीं है जब बालक सुधार केंद्र की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आई हो। यहां से चार विधि-विरोधी बालक फरार हो चुके हैं। संस्थान के भीतर ही यौन हिंसा और मारपीट की घटना सामने आने से महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस, विधि विभाग और बाल संरक्षण तंत्र की निगरानी व्यवस्था पर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

एटीएम सेंधमारी : शौक पूरे करने में उड़ाई चोरी की रकम

भोपाल। राजधानी में एटीएम सेंधमारी गिरोह की जांच लगातार नए खुलासे कर रही है। शाहपुरा थाना पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपितों के खिलाफ अब अशोका गार्डन थाने में भी प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि गिरोह ने शाहपुरा स्थित एसबीआई एटीएम में सेंध लगाकर ग्राहकों के करीब ढाई लाख रुपये पार किए थे। पुलिस को आशंका है कि शहर के अन्य एटीएम भी इसी तरीके से निशाना बनाए गए हैं। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि चोरी की रकम से उन्होंने महंगे मोबाइल, कपड़े खरीदे और अपनी ईएमआई तक चुकाई। जांच से बचने के लिए रकम का हिस्सा रिश्तेदारों और परिवारजनों के खातों में भी ट्रांसफर किया गया। इस बीच शाहपुरा पुलिस ने बिहार के मुजफ्फरपुर से अभिषेक सिंह को गिरफ्तार किया है, जिसने गिरोह को वारदात का तरीका सिखाया था। पुलिस अब एसबीआई से प्रभावित खातों और एटीएम का पूरा रिकॉर्ड मांग रही है।

दूसरी महिला से संबंधों से परेशान पत्नी ने खाया था जहर, 15 दिन बाद हुई मौत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के तलैया थाना क्षेत्र के अल-अफशा अपार्टमेंट में रहने वाली 30 वर्षीय पूजा घाड़गे की जहर खाने के करीब 15 दिन बाद हमीदिया अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति की दूसरी महिला से नजदीकी को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। घायल अवस्था में महिला के बयान दर्ज नहीं हो सके और न ही कोई सुसाइड नोट मिला है। पुलिस अब स्वजनों के बयानों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

2013 में किया था प्रेम विवाह

तलैया पुलिस के अनुसार, पूजा ने वर्ष 2013 में पवन घाड़गे से प्रेम विवाह किया था। पिछले करीब चार वर्षों से पति के दूसरी महिला के संपर्क में होने की बात सामने आई है। इसी वजह से दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। कुछ लोगों का दावा है कि संबंधित महिला खुद को पवन की दूसरी पत्नी बताती है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है और इस पहलू की भी जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार 26 जून को रेतघाट स्थित अल-अफशा अपार्टमेंट में पति-पत्नी के बीच फिर विवाद हुआ। विवाद के बाद पूजा ने घर में रखी इल्ली मारने की कीटनाशक दवा पी ली। गंभीर हालत में पति और स्वजन उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां करीब 15 दिन तक उपचार के बाद शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर तलैया पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस खुदकुशी के कारणों, दांपत्य विवाद और पारिवारिक परिस्थितियों की जांच कर रही है। मृतका के दो बेटे और एक बेटी हैं। पति पवन ड्राइवर है, जबकि पूजा अल-अफशा अपार्टमेंट में काम करती थी।

पुरानी रंजिश में को लेकर पड़ोसी ने डेढ़ साल के मासूम को बोरी में भरा, भीड़ ने पकड़कर पीटा

बागसेवनिया थाना पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र में पड़ोसी से पुरानी रंजिश का बदला लेने एक युवक ने उसके डेढ़ साल के बच्चे का अपहरण कर लिया। वह उसे बोरी में भरकर फेंकने जा रहा था, लेकिन दम घुटने से बच्चा रोने लगा। रोना सुनकर दूसरे लोगों ने उसे रोका तो वह बोरी छोड़कर भागने लगा। लोगों ने उसे पकड़कर पीट दिया। वहां से भागा तो पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया।

बागसेवनिया थाने के एसआइ गंगाराम वर्मा ने बताया कि बागमुगालिया निवासी 27 वर्षीय रश्मि अहिरवार अपने बुजुर्ग

माता-पिता, भाई और ढाई व डेढ़ साल के दो बच्चों के साथ रहती हैं। पति की मृत्यु के बाद वह घरों में साफ-सफाई का काम कर परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। इसी दौरान दोनों बच्चे घर के बाहर मोहल्ले के अन्य बच्चों के साथ खेल रहे थे। शाम करीब साढ़े छह बजे पड़ोस में रहने वाला अरुण भील वहां पहुंचा और मौका पाकर डेढ़ वर्षीय बच्चे को उठाकर बोरे में डाल लिया। वह बच्चे को लेकर वहां से निकल ही रहा था कि मासूम के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों को संदेह हुआ। लोगों ने आरोपित को रोककर बोरा खुलवाया तो भीतर बच्चा रोता हुआ मिला। बागसेवनिया थाना पुलिस ने अपहरण के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर तत्काल तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए रात करीब साढ़े दस बजे आरोपित अरुण भील को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित का पीड़ित परिवार से पुराना विवाद चल रहा था। उसी रंजिश का बदला लेने के लिए उसने मासूम बच्चे को निशाना बनाया। आरोपित ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह परिवार को डराने के लिए ऐसा कर रहा था, पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपित किस वारदात को अंजाम देने की तैयारी में था।

गैस कंपनियों के खिलाफ आज एकजुट होंगे एजेंसी संचालक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मप्र की राजधानी भोपाल में आज गैस एजेंसी संचालकों का एक बड़ा राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है, जिसमें देश भर के 600 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन ने सरकारी तेल कंपनियों की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और आज इस मंच से एक बड़े राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएस शर्मा ने ऑयल कंपनियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि नियम के मुताबिक कोई भी गैस एजेंसी नए कनेक्शन के साथ ग्राहक को चूल्हा, पाइप या लाइटर खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। उपभोक्ता अपनी इच्छा से बाजार से आईएसआई (ढूस्ढ) मार्क वाला सामान लेने के लिए स्वतंत्र है। इसके बावजूद, कंपनियां हर एजेंसी को प्रति माह 5-5 हजार सुरक्षा ट्यूब बेचने का जबरन टारगेट दे रही हैं। दूसरी तरफ, तेल कंपनियों ने इन आरोपों को खारिज किया है। कंपनियों का कहना है कि सुरक्षा के लिहाज से हर 5 साल में पाइप बदलना जरूरी है, लेकिन किसी पर दबाव नहीं बनाया जाता। अगर कोई जबरन बिक्री करे, तो उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1800-233-3555 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अधिवेशन में डिस्ट्रीब्यूटर्स होम डिलीवरी शुल्क में बढ़ोतरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाएंगे। एसोसिएशन के अनुसार, वर्तमान में उन्हें प्रति सिलेंडर महज 35 रुपये डिलीवरी चार्ज मिलता है।

मेट्रो एंकर

देश का पहला एकीकृत डिजिटल प्रॉपर्टी पोर्टल तैयार, एक क्लिक पर मिलेंगे सभी रिकॉर्ड

एमपी में अब हर संपत्ति को मिलेगी यूनिक डिजिटल पहचान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मप्र देश का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां संपत्तियों का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग यूनिफाइड डिजिटल प्रॉपर्टी रजिस्ट्री ट्रैकिंग पोर्टल विकसित कर रहा है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी संपत्ति से जुड़ी सभी जानकारियां और सेवाएं एक ही जगह प्राप्त कर सकेंगे। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा विकसित किए जा रहे इस पोर्टल के तहत प्रत्येक संपत्ति को आधार या समग्र आईडी से जोड़कर एक यूनिक डिजिटल प्रॉपर्टी आईडी प्रदान की जाएगी। इसी आईडी से संपत्ति कर, भवन निर्माण अनुमति, स्वामित्व रिकॉर्ड, बैंक ऋण, भूमि उपयोग और रजिस्ट्री से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी। पोर्टल के माध्यम से कॉलोनाइजर पंजीयन

और कॉलोनी विकास अनुमति की प्रक्रिया भी पूरी तरह ऑनलाइन हो जाएगी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। पहले चरण में भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरुआत होगी। सफलता मिलने पर इसे प्रदेश के सभी 413 शहरी निकायों में लागू किया जाएगा। सरकार को उम्मीद है कि इससे अवैध कॉलोनियों पर निगरानी मजबूत होगी और शहरी विकास व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित बन सकेगी।

सिर्फ एक आईडी से प्रॉपर्टी से जुड़ी हर जानकारी मिलेगी

नई व्यवस्था में प्रत्येक संपत्ति को एक यूनिक डिजिटल प्रॉपर्टी आईडी दी जाएगी, जो आधार या समग्र आईडी से लिंक होगी। इसी एक आईडी के जरिए नागरिक संपत्ति कर, स्वामित्व विवरण, भवन अनुमति, भूमि उपयोग, बैंक ऋण और रजिस्ट्री रिकॉर्ड जैसी सेवाओं तक पहुंच सकेंगे। इससे अलग-अलग विभागों में दस्तावेज जमा करने और बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी होगी।

कॉलोनाइजरों की अनुमति प्रक्रिया होगी पूरी तरह ऑनलाइन

पोर्टल के जरिए कॉलोनाइजर पंजीयन, कॉलोनी विकास अनुमति और अन्य स्वीकृतियों की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदन जमा करने से लेकर उसकी स्थिति ट्रैक करने तक की सुविधा उपलब्ध रहेगी। समय-सीमा में अनुमतियां जारी होने से जवाबदेही बढ़ेगी और अनावश्यक देरी पर रोक लगेगी। इससे रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ने के साथ निवेशकों और खरीदारों का भरोसा भी मजबूत होगा।

अवैध कॉलोनियों पर लगेगी लगाम

प्रदेश में अवैध कॉलोनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विभागीय अनुमान के मुताबिक वर्तमान में प्रदेश में 30 हजार से अधिक अवैध कॉलोनियां मौजूद हैं, जबकि अकेले भोपाल में इनकी संख्या 800 से ज्यादा है। नया डिजिटल प्लेटफॉर्म अवैध विकास गतिविधियों की निगरानी में मदद करेगा और अनियमित निर्माण तथा बिना अनुमति विकसित हो रही कॉलोनियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

शिक्षा से बदलेगा मप्र का भविष्य... सीएम ने सांदीपनि विद्यालय और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उपलब्धियां गिनाईं

सरकारी स्कूलों की सफलता, ड्रॉपआउट दर जीरो होने का दावा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल/इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य हर बच्चे तक आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और संस्कारयुक्त शिक्षा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मध्यप्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को नए स्वरूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश ने प्राथमिक स्तर पर स्कूली ड्रॉपआउट दर को शून्य करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और अब कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा।

इंदौर में हिंद रक्षक पुण्योदय प्रकल्प के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने छात्राओं को महापुरुषों के जीवन पर आधारित प्रेरक पुस्तकें और कॉपियां वितरित कीं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की सफलता ही प्रदेश और देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं में सरकारी विद्यालयों ने निजी स्कूलों से बेहतर परिणाम देकर नई मिसाल कायम की है। विशेष रूप से सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट सूची में स्थान हासिल कर यह साबित किया है कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय, पीएमश्री स्कूल और प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नई त्रिवेणी के रूप में विकसित हो रहे हैं।

महापुरुषों से प्रेरणा लेने को कहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र प्रथम की भावना को केंद्र में रखकर समाज को नई दिशा देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने हिंद रक्षक संगठन के संस्थापक स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह गौड़ को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज सेवा और जनहित के लिए हमेशा संघर्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुण्योदय प्रकल्प के माध्यम से हर वर्ष हजारों विद्यार्थियों तक शैक्षणिक सामग्री पहुंचाकर शिक्षा को बढ़ावा देने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण देते हुए युवाओं से जरूरतमंदों की सहायता करने और सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने का आह्वान किया। साथ ही बताया कि प्रदेश सरकार गुरु पूर्णिमा महोत्सव को भी व्यापक स्तर पर मनाएगी।

मप्र विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से

यूसीसी समेत 10 बड़े विधेयक 5 दिन में होंगे पेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा का मानूसन सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र में नगरीय विकास विभाग ने अग्निशमन और कॉलोनी विधेयक पेश करने की तैयारी कर ली है। इनके ड्राफ्ट तैयार कर लिए गए हैं। हालांकि किराएदारी विधेयक को फिलहाल विभाग ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। जबकि इस विधेयक से मकानमालिक और किराएदारों के बीच विवाद रोकने में मदद मिलेगी। केन्द्र द्वारा मॉडल एक्ट बनाकर राज्य को करीब डेढ़ साल पहले भेजा जा चुका है। पिछले साल तक इसे लाने की कवायद भी की गई लेकिन फिलहाल इसे रोक दिया गया है। मानसून सत्र में इसके साथ समान नागरिक संहिता सहित 10 अन्य विधेयक भी पेश किए जाएंगे।

नगरीय विकास विभाग द्वारा मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकाली सेवाएं विधेयक 2026 और कॉलोनी विकास विधेयक को मानसून सत्र में पेश करने की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। विभाग के एसीएस संजय दुबे के अनुसार, यह दोनों विधेयक मानसून सत्र में पेश किए जाएंगे। वहीं इस बार मानसून सत्र में सबसे अहम निर्णय के रूप में प्रदेश सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी पेश करने की पूरी तैयारी में है। इसको लेकर गठित समिति ने विधेयक के ड्राफ्ट भी लगभग तैयार कर लिए हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी इसकी घोषणा कई कार्यक्रमों में की है।

यह विधेयक भी आएंगे

कैबिनेट ने हाल ही में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक का अनुमोदन कर दिया है। इसके साथ यूसीसी विधेयक के ड्राफ्ट को भी तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है। सीएम यूसीसी को जुलाई में लागू करने की घोषणा कर चुके हैं। इसलिए यह विधेयक आना तय हैं। इसके साथ प्रदेश सरकार अनुपूरक बजट संबंधी विनियोग विधेयक, कोचिंग संस्थान विनियमन, पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज, वाणिज्यिक कर, श्रम और सिंहस्थ मेला संबंधी विधेयकों को पेश करने की तैयारी में है।

'हमारे शिक्षक' एप की बड़ी तकनीकी खामी, स्कूल में मौजूद शिक्षिका को बताया 89 लाख मीटर दूर

जबलपुर। शिक्षकों की उपस्थिति और अवकाश प्रबंधन के लिए लागू किए गए 'हमारे शिक्षक' एप की तकनीकी खामियां अब विवाद का कारण बनने लगी हैं। जबलपुर जिले के एक शासकीय विद्यालय में ऐसा मामला सामने आया, जहां विद्यालय परिसर में मौजूद शिक्षिका को एप ने सैकड़ों, हजारों, लाखों मीटर दूर स्थित दिखाया।

विद्यालय परिसर में उपस्थित होने पर भी हमारे शिक्षक एप 8981408 मीटर दूर बता रहा था। उपस्थिति के आधार पर वेतन भुगतान की व्यवस्था के बीच इस तरह की त्रुटियां शिक्षकों के लिए चिंता और परेशानी का कारण बन

रही हैं। राज्य सरकार द्वारा शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति, अवकाश, ओडी सहित अन्य विवरण दर्ज करने के लिए 'हमारे शिक्षक' एप लागू किया गया है। विभागीय निर्देशों के अनुसार इसी एप में दर्ज उपस्थिति के आधार पर वेतन भुगतान भी किया जाना है।

नहीं हो सका लॉगआउट

जिले के ग्रामीण क्षेत्र स्थित एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ऐसा ही मामला सामने आया। विद्यालय में कार्यरत एक शिक्षिका ने निर्धारित समय पर विद्यालय से लागआउट करने का प्रयास किया, लेकिन ऐप लगातार उनकी लोकेशन विद्यालय परिसर से सैकड़ों, हजारों और यहां तक कि लाखों मीटर दूर प्रदर्शित करता रहा। जानकारी के अनुसार शिक्षिका ने शाम 4:20 बजे से लागआउट करने का प्रयास शुरू किया, लेकिन हर बार एप गलत दूरी दिखाता रहा। लगभग 40 मिनट तक चली इस परेशानी के बाद वह करीब शाम पांच बजे लागआउट दर्ज करा सकीं।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 12 जुलाई 2026

मानसून ट्रैवलः बारिश में बेफिक्र सफर

थोड़ी तैयारी और सही प्लानिंग से यात्रा बनेगी सुरक्षित और यादगार

तेज बारिश, फिसलन, भूस्खलन, जलभराव और मौसम का अचानक बदलना यात्रा की खुशियों को परेशानी में बदल सकता है। इसलिए मानसून में घूमने का आनंद तभी मिलता है, जब उत्साह के साथ सावधानी भी बरती जाए।

बारिश का मौसम प्रकृति को नया जीवन देता है। हरे-भरे पहाड़, झरनों की कलकल, बादलों से ढकी घाटियां और मिट्टी की सोंधी खुशबू हर किसी को यात्रा के लिए प्रेरित करती है। यही कारण है कि मानसून पर्यटन का भी एक खास मौसम बन गया है। लेकिन जितना आकर्षक यह मौसम दिखता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होता है। यात्रा का अर्थ केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचना नहीं, बल्कि सुरक्षित लौटना भी है। मानसून में थोड़ी-सी योजना, सही सामान और मौसम की जानकारी सफर को तनावमुक्त बना सकती है। चाहे परिवार के साथ घूमने जा रहे हों, दोस्तों के साथ ट्रेकिंग का कार्यक्रम हो या अकेले प्रकृति का आनंद लेना चाहते हों, कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर यात्रा को यादगार बनाया जा सकता है।

यात्रा से पहले तैयारी

किसी भी यात्रा की सफलता अच्छी योजना पर निर्भर करती है। जिस स्थान पर जाना है, वहां के मौसम का पूर्वानुमान पहले ही देख लें। यदि लगातार भारी बारिश, बाढ़ या भूस्खलन की चेतावनी हो तो यात्रा टाल देना ही बेहतर है। होटल और परिवहन की अग्रिम बुकिंग करने से अंतिम समय की परेशानियों से बचा जा सकता है।

सामान रखें हल्का और उपयोगी

मानसून में कम लेकिन जरूरी सामान साथ रखें। वाटरप्रूफ बैग, रेनकोट, छाता, अतिरिक्त कपड़े, तौलिया, टॉर्च, मोबाइल के लिए वाटरप्रूफ कवर और आवश्यक दवाइयां अवश्य रखें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को पानी से बचाने के लिए अलग सुरक्षित पैकिंग करें।

सही जूते चुनना जरूरी

बरसात में फिसलन सबसे बड़ा खतरा होती है। इसलिए मजबूत पकड़ वाले वाटरप्रूफ जूते या सैंडल पहनें। नए या चिकने तले वाले जूते यात्रा में परेशानी बढ़ा सकते हैं। यदि ट्रेकिंग पर जा रहे हैं तो विशेष ट्रेकिंग शूज का उपयोग करें।

खानपान में रखें सावधानी

बरसात के मौसम में दूषित भोजन और पानी से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। खुले में बिकने वाले कटे फल, बासी भोजन और अस्वच्छ पेय पदार्थों से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और संभव हो तो सीलबंद बोतल या उबला हुआ पानी ही इस्तेमाल करें।

सड़क और पहाड़ी यात्रा में सतर्क रहें

यदि स्वयं वाहन चला रहे हैं तो तेज गति से बचें। बारिश में ब्रेकिंग दूरी बढ़ जाती है और सड़क पर फिसलन अधिक होती है। पहाड़ी क्षेत्रों में रात के समय यात्रा करने से बचना चाहिए, क्योंकि भूस्खलन और पत्थर गिरने का खतरा बढ़ जाता है। प्रशासन की चेतावनियों और स्थानीय सलाह को हमेशा गंभीरता से लें।

तैयारी भी मौसम के मुताबिक हो

'बारिश किसी भी जगह की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देती है, लेकिन यही मौसम सबसे ज्यादा सावधानी भी मांगता है। यात्रा पर निकलने से पहले मौसम का अपडेट जरूर देखें, वाटरप्रूफ बैग और अच्छे ग्रिप वाले जूते साथ रखें। पहाड़ी इलाकों में अनावश्यक जोखिम लेने से बचें और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करें। अगर तैयारी सही हो, तो मानसून की हर यात्रा यादगार बन जाती है और प्रकृति का सबसे सुंदर रूप देखने का अवसर देती है। '

— शिल्या नाथ, ट्रैवल ब्लॉगर

प्रकृति का सम्मान करें

झरनों, नदियों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में सेल्फी या रोमांच के लिए अनावश्यक जोखिम न लें। कई दुर्घटनाएं केवल लापरवाही के कारण होती हैं। प्राकृतिक स्थलों पर प्लास्टिक या कचरा न फैलाएं। पर्यावरण की रक्षा करना भी जिम्मेदार यात्री होने की पहचान है।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान

मच्छरों से बचाव के लिए रिपेलेंट साथ रखें। भीगने के बाद लंबे समय तक गीले कपड़ों में न रहें। सर्दी, बुखार या एलर्जी की स्थिति में तुरंत उपचार लें। यदि बच्चे या बुजुर्ग साथ हों तो उनकी दवाइयों और विशेष जरूरतों का पहले से ध्यान रखें।

यादें बनाएं, जोखिम नहीं

मानसून की यात्रा का उद्देश्य तनाव दूर करना और प्रकृति के करीब जाना है। हर सुंदर दृश्य को कैमरे में कैद करने की जल्दबाजी में सुरक्षा से समझौता न करें। मौसम खराब होने पर कार्यक्रम बदलने में संकोच न करें। समझदारी इसी में है कि यात्रा का आनंद सुरक्षित रहकर लिया जाए। स्थानीय संस्कृति, नियमों और लोगों का सम्मान करें। स्थानीय उत्पाद खरीदें, स्थानीय भोजन का स्वाद लें और पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। जिम्मेदार पर्यटन न केवल आपकी यात्रा को बेहतर बनाता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के संरक्षण में भी योगदान देता है।

मानसून का मौसम प्रकृति का सबसे खूबसूरत उपहार है। यदि यात्रा में उत्साह के साथ तैयारी, अनुशासन और सतर्कता भी शामिल हो जाए तो यह मौसम जीवन की सबसे सुंदर यादों में बदल सकता है। याद रखिए, सफल यात्रा वही है जिसमें रोमांच भी हो, सुरक्षा भी और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता भी।

जीवन ज्योति

ध्यान ही जीवन का वास्तविक उत्सव है

स्वामी अवधेशानंद गिरी
महामण्डलेश्वर जूना अखाड़ा

यदि जीवन में सच्चा आनंद, शांति और परमात्मा का सान्निध्य पाना है, तो ध्यान को जीवन का अनिवार्य अंग बनाइए। ध्यान कोई कर्मकांड नहीं है, न ही यह केवल संन्यासियों की साधना है। ध्यान प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता है, क्योंकि मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष बाहर की दुनिया से नहीं, अपने ही चंचल मन से है।

जिसने अपने मन को साध लिया, उसने संसार को साध लिया। मन ही मनुष्य को सुखी बनाता है और यही मन उसे दुःखी भी करता है। जब मन इच्छाओं, क्रोध, ईर्ष्या, भय और अहंकार से भर जाता है, तब जीवन अशांत हो जाता है। लेकिन जब यही मन ध्यान की अग्नि में तपता है, तब वह निर्मल, शांत और प्रकाशमान हो जाता है।

आज का मनुष्य बाहर बहुत दौड़ रहा है। उसे धन चाहिए, पद चाहिए, प्रतिष्ठा चाहिए, लेकिन यदि मन अशांत है तो इन सबका क्या मूल्य है? जिस शांति की खोज संसार में की जा रही है, वह प्रत्येक व्यक्ति के अपने अंतःकरण में विद्यमान है। ध्यान उसी अंतर्मंदिर का द्वार खोलता है।

प्रतिदिन कुछ समय अपने लिए निकालिए। शांत होकर बैठिए, अपनी श्वास को अनुभव कीजिए और ईश्वर के नाम का स्मरण कीजिए। प्रारंभ में मन भटकेगा, अनेक विचार आएँगे, लेकिन उनसे लड़िए मत। उन्हें आने-जाने दीजिए। धीरे-धीरे मन स्वयं शांत होने लगेगा। ध्यान किसी एक दिन का चमत्कार नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास की साधना है। ध्यान संसार से दूर नहीं ले जाता, बल्कि संसार में रहते हुए भी संतुलित रहना सिखाता है। जैसे कमल जल में रहकर भी जल से अछूता रहता है, वैसे ही ध्यान करने वाला व्यक्ति परिस्थितियों के बीच रहकर भी उनसे विचलित नहीं होता। उसके भीतर धैर्य, करुणा, प्रेम और क्षमा का उदय होता है।

ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग बाहर नहीं, भीतर से होकर जाता है। जब मनुष्य मौन में उतरता है, तब वह अपने वास्तविक स्वरूप से परिचित होता है। वहीं आत्मा का प्रकाश है, वहीं परमात्मा का अनुभव है। ध्यान केवल आँखें बंद करना नहीं, बल्कि अंतःकरण की आँखें खोलना है।

अपने बच्चों को भी ध्यान का संस्कार दीजिए। परिवार में कुछ समय सामूहिक मौन का वातावरण बनाइए। जिस घर में प्रार्थना, ध्यान और सद्भाव का वातावरण होता है, वहाँ सुख और समृद्धि स्वयं निवास करती है। आइए, संकल्प लें कि प्रतिदिन कुछ समय ध्यान के लिए अवश्य निकालेंगे। जब भीतर का दीपक प्रज्वलित होगा, तब बाहर का अंधकार स्वतः समाप्त हो जाएगा। ध्यान कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव है। यह आत्मा से परमात्मा तक की सबसे सुंदर यात्रा है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 12 से 18 जुलाई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में मिश्रित फल होने के योग बने हुए हैं सप्ताह के प्रारंभ के चार दिनों तक उनके कार्यों में मामूली शिथिलता बनी रहेगी, लेकिन सप्ताह के आखिरी के तीन दिनों में उनके कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो जाएंगे। अधिक आयु के जातक अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे उनका शारीरिक पीड़ा कष्ट दे सकती है।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह उन्नति कारक एवं धनागम के साधनों में वृद्धि करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करेगा यात्रा के माध्यम से अनेक स्थानों का भ्रमण करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है धार्मिक कार्यों में अभिरुचि रखने वाले जातकों कोअपने धार्मिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत उत्तम अवसर लेकर आया है, आप इस सप्ताह का पूरा उपयोग करें, और अपने कार्यों में सफलता मिलने से घर परिवार में आनंद का वातावरण बनेगा, प्रती क्षित मांगलिक कार्य के शुभारंभ का योग बन रहा है। धनागम एवं व्यापार संबंधी कार्य सफलतापूर्वक चलेंगे व्यापार में लाभ होने से उन्नति के अवसर बन रहे है।

कर्क : राशि के जातक आगामी सप्ताह में विशेष स्थान की यात्रा करने में व्यस्त रह सकते हैं, आवश्यक कार्य संपन्न करने हेतु मांगलिक कार्य की वार्ता हेतु आपको विभिन्न स्थानों की यात्रा करनी होगी। सप्ताह में व्यापार व्यवसाय में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह : राशि के जातक आगामी सप्ताह में सजगता से कार्य करें व्यापार में लेन देन सावधानी से करें,नए लोगों से व्यापार करने में सावधानी विशेष रूप से रखने की आवश्यकता बनी हुई है,शारीरिक दृष्टि से यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है, मानसिक चिंता और उधर विकार कष्ट दे सकते हैं।

कन्या : राशि के जातकों को यह सप्ताह मिश्रित फल देने वाला है, प्रारंभिक दिनों में आपको उत्तम सफलताएं प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, आपके कार्य क्षेत्र में आपकी प्रगति होगी, नवीन कार्यों के शुभारंभ होने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है, लेकिन सप्ताह के अंतिम दो दिनों में अपव्यय खर्च का भार बढ़ सकता है, अतः सावधानी से आर्थिक कार्यों को करने की आवश्यकता रहेगी।

तुला: राशि के जातकों का समय अत्यंत अनुकूल रहेगा, सामाजिक राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाली जातकों को एवं अन्य व्यवसाय में लगे हुए जातकों को भी इस सप्ताह में उत्तम योग बने हुए हैं, बड़े पौधे पर बैठे लोगों से संपर्क एवं आपके कार्य क्षेत्र में विस्तार होगा कार्य क्षेत्र में उन्नत होने से आपकी आय के साधन बढ़ेंगे, घर परिवार में उत्साह का वातावरण निर्मित होगा।

वृश्चिक: राशि के जातकों को सप्ताह में कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, आवश्यक होने पर ही यात्रा करें यात्रा में कष्ट आर्थिक कष्ट आपको विचलित कर सकता है, अपनी कीमती वस्तुओं को विशेष सुरक्षित रखने की आवश्यकता बनी रहेगी,साथी किसी भी प्रकार के धोखाधड़ी के शिकार होने से बचने की आवश्यकता बनी हुई है।

धनु: राशि के जातकों को यह सप्ताह मिश्रित फल देने वाला है, प्रारंभिक दिनों में कुछ कठिनाई का अनुभव करना पड़ सकता है, चोट चपेट से बचें यात्रा में विशेष सावधानी रखें वाहन चलाने में और किसी ऊंचे स्थान पर जाने में आपको कष्ट हो सकता है, धनागम के साधनों में अवरोध उत्पन्न होंगे व्यापार व्यवसाय में मंदी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर: राशि के जातकों को यह सप्ताह उन्नति कारक सिद्ध होगा, आपके अनेक समय से चलने वाले प्रयासों में सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, विशिष्ट जनों से संपर्क स्थापित होने से आपके कार्यों में गतिशीलता आएगी साथी यश और कीर्ति प्राप्त होगी, लेखन के कार्यों में लगे जातकों को यह उत्तम सफलता का समय सिद्ध होने वाला है।

कुंभ: राशि के जातकों को अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता बनी हुई है, अत्यधिक परिश्रम करने से कम लाभ होना लेकिन आपकी बौद्धिक स्तर को देखते हुए आप अपने कार्यों को करने में सक्षम रहेंगे, आपसी सामंजस बिठाकर कार्य करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता बनी हुई है।

मीन: राशि के जातक सावधानी से अपने कार्यों को करें, हनुमत आराधना हनुमत स्तोत्र एवं चालीसा का पाठ आपको अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा, अतः प्रत्येक शनिवार इस कार्य को अवश्य करें, व्यापार व्यवसाय में मंदी हाथ पैरों का दर्द अथवा उधर विकार आपको कष्ट कारक सिद्ध हो सकता है।

दिया कबीरा रोय

अंकित पाण्डेय

गड्ढों का लोकतंत्र और पानी की सरकार...

बरसात का मौसम हमारे शहरों में केवल बादलों का नहीं, बल्कि वादों का भी मौसम होता है। जैसे ही पहली तेज बारिश होती है, सड़कें अचानक नदियों में बदल जाती हैं, नालियां अपनी पुरानी नाराजगी उगलने लगती हैं और प्रशासन यह बताने में जुट जाता है कि बारिश 'असामान्य' थी। मानो बादलों ने भी बरसने से पहले नगर निगम से अनुमति नहीं ली हो।

शहर का आम आदमी घुटनों तक पानी में रास्ता तलाशता है, लेकिन जिम्मेदार लोग हमेशा की तरह सूखे रहते हैं। उनके जूते पानी में नहीं भीगते, क्योंकि वे मौके पर कम और बैठकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। बारिश रुकने के बाद निरीक्षण का दौर शुरू होता है। अधिकारी पानी उतरने के बाद उस जगह पहुंचते हैं, जहां कुछ घंटे पहले लोग अपनी मोटरसाइकिलें धक्का देकर निकाल रहे थे। कैमरे चमकते हैं, निर्देश दिए जाते हैं और अगले साल फिर वही निर्देश दोहराने के लिए फाइलों में सुरक्षित रख दिए जाते हैं।

हर साल करोड़ों रुपये नालों की सफाई पर खर्च होने का दावा किया जाता है। कागजों में नाले इतने साफ हो जाते हैं कि उनमें शायद मछलियां भी तैर सकती हों, लेकिन हकीकत में पहली बारिश उन्हें याद दिला देती है कि सफाई कागजों पर हुई थी, जमीन पर नहीं। लगता है नालों की गाद से ज्यादा मोटी व्यवस्था पर जमी लापरवाही की परत है।

सड़कें भी कम दिलचस्प नहीं हैं। बरसात शुरू होते ही उनका असली चरित्र सामने आ जाता है। कहीं सड़क पर गड्ढे बनते हैं तो कहीं गड्ढों में सड़क दिखाई देती है। वाहन चालक हर दिन रोमांचक खेल खेलते हैं–अंदाजा लगाइए कि पानी के नीचे सड़क है या दो फीट गहरा गड्ढा। जीत गए तो घर पहुंच जाएंगे, हार गए तो अस्पताल या गैराज। सबसे अद्भुत दृश्य तब होता है जब जलभराव के बीच एक नाव की जरूरत महसूस होने लगती है और उसी समय किसी विभाग का बयान आता है कि 'स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।' यह नियंत्रण आखिर किस पर है, यह आज तक कोई नहीं समझ पाया। शायद बयान जारी करने की कला पर जरूर पूरा नियंत्रण है। बारिश खत्म होते ही जिम्मेदारी भी बह जाती है। दोष कभी रिकॉर्ड वर्षा पर डाल दिया जाता है, कभी पिछली सरकार पर, कभी नागरिकों पर कि उन्होंने कचरा नालियों में फेंका। जिम्मेदारी का यह रिले रेस ऐसा है जिसमें डंडा सबके हाथ बदलता है, लेकिन मंजिल तक कभी नहीं पहुंचता।

शहर डूबता है, लोग परेशान होते हैं, दुकानों में पानी भरता है, बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते, मरीज अस्पताल जाने के लिए जूझते हैं। लेकिन जिम्मेदारों की दुनिया में सब कुछ सामान्य रहता है। वे अगले दिन फिर बैठक करेंगे, नई योजना बनाएंगे और आश्वासन देंगे कि 'अगली बार ऐसा नहीं होगा।'

शायद हमारे शहरों की सबसे मजबूत व्यवस्था यही है कि हर बरसात में शहर डूब जाता है, पर जवाबदेही कभी नहीं भीगती। पानी सड़कों पर भरता है, जिम्मेदारियों पर नहीं।

आस्था

सावन के पहले बाहर आया शिव मंदिर साल में चार महीने ही होते हैं दर्शन

सावन का महीना करीब आने के साथ ही देश में आध्यात्मिक और धार्मिक यात्राओं का दौर शुरू हो चुका है। इसी बीच तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र से एक बेहद अद्भुत और चमत्कारी दृश्य सामने आ रहा है। पिछले करीब आठ महीनों से कृष्णा नदी के बैकवाटर में पूरी तरह जलमग्न ऐतिहासिक श्री संगमेश्वर स्वामी मंदिर का ढांचा पानी का स्तर घटने के साथ ही एक बार फिर धीरे-धीरे पानी से बाहर आ गया है। चालुक्य काल के इस अनोखे और रहस्यमयी मंदिर के पुनः प्रकट होने से शिव भक्तों और पर्यटकों में दर्शन के लिए भारी उत्साह देखा जा रहा है।

इतिहासकारों और धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, इस अद्भुत मंदिर का निर्माण 7वीं-8वीं शताब्दी में बादामी के चालुक्य शासकों द्वारा करवाया गया था। यह स्थान भौगोलिक और धार्मिक रूप से बेहद विशेष है, क्योंकि यहाँ सात पवित्र नदियों कृष्णा, वेणी, तुंगभद्रा, भीमराथी, मलापहारिणी, संगमेश्वर और भवनसी का महासंगम होता है। इसी महासंगम के कारण इस पावन स्थल को 'संगमेश्वरम' कहा जाता है। साल में सिर्फ 3 से 4 महीने ही दर्शन के लिए उपलब्ध होने के कारण यहाँ आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, संगमेश्वर मंदिर का इतिहास महाभारत काल से गहराई से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि अपने अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने इस पावन स्थान पर आकर विशेष पूजा-अर्चना की थी। इस दौरान पांचों भाइयों में सबसे बड़े धर्मराज युधिष्ठिर ने यहाँ नीम की लकड़ी के एक विशेष शिवलिंग की स्थापना की थी, जो आज भी मंदिर के गर्भगृह में स्थापित है।

भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो यह मंदिर आंध्र प्रदेश के नांदयाल जिले की सीमा में आता है, लेकिन तेलंगाना के पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था और रोमांच का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। नागरकुरनूल जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोमशिला गाँव से इस मंदिर तक पहुँचने का रास्ता बेहद अनूठा है। मंदिर के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को तेलंगाना के सोमशिला तट से स्थानीय नावों (बोट) के ज़रिए कृष्णा नदी को पार करना पड़ता है। नदी के उस पार पहुँचने के बाद, आगे का सफ़र स्थानीय ऑटो के माध्यम से तय कर श्रद्धालु इस पौराणिक मंदिर तक पहुँचते हैं। नदी का पानी कम होते ही तेलंगाना पर्यटन और स्थानीय नाविकों ने सोमशिला से श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुँचाने की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं।

बारिश की बेरुखी से बढ़ी किसानों की चिंता, धान रोपाई पर छाए संकट के बादल

गंजबासौदा। क्षेत्र में बारिश की बेरुखी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। शुरुआती वर्षा के बाद अधिकांश किसानों ने सोयाबीन, उड़द, मूंग सहित खरीफ फसलों की बोवनी पूरी कर दी है और खेतों में हरियाली भी नजर आने लगी है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से बारिश थम जाने के कारण फसलों की बढ़वार प्रभावित होने लगी है। सबसे अधिक चिंता धान की खेती करने वाले किसानों को सता रही है। धान की रोपाई के लिए लगातार पानी की आवश्यकता होती है। जिन किसानों के पास कुएं, ट्यूबवेल या अन्य सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं, वे किसी तरह धान की रोपाई कर रहे हैं। **फोटो : हरिनारायण विश्वकर्मा**

न्यूज विंडो

अवैध रेत पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली और रेत जब्त

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में खनिज विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और करीब 400 घनमीटर अवैध रेत जब्त की। खनिज विभाग की टीम ने इटारसी तहसील के ग्राम रामपुरगुर्रा में अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। कार्रवाई के बाद वाहन को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया। वहीं माखननगर तहसील के ग्राम मनवाड़ा में लगभग 400 घनमीटर रेत का अवैध भंडारण मिला। विभाग ने पूरी रेत को जब्त कर सुरक्षित रूप से तहसील परिसर में रखवा दिया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण में संलिप्त संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

शादी के दो महीने बाद जंगल में मिली पति की लाश, पत्नी और प्रेमी पर हत्या का आरोप

छतरपुर। जिले के सटई थाना क्षेत्र में नवविवाहित युवक की हत्या का मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सिगरामपुरा गांव निवासी 22 वर्षीय प्रेमलाल रैकवार का शव जंगल में नाले के पास मिला। परिजनों ने युवक की पत्नी और उसके कथित प्रेमी पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। घटना के विरोध में ग्रामीणों और परिजनों ने सटई बस स्टैंड पर चक्का जाम कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों के अनुसार प्रेमलाल की शादी करीब दो महीने पहले पलकौंहा गांव की रोशनी से हुई थी। आरोप है कि पत्नी ने पार्टी का बहाना बनाकर

उसे अपने गांव बुलाया था। इसके बाद वह देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। सटई थाना प्रभारी सुनीता विदुआ ने बताया कि 9-10 जुलाई की दरमियानी रात प्रेमलाल के पिता मनीराम रैकवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तलाश के दौरान पहले उसकी बाइक लावारिस मिली और बाद में अमरोनिया गांव से करीब दो किलोमीटर दूर बरगा हार नाले में उसका शव बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार शव की स्थिति देखकर प्रथम दृष्टया गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका है। इसके बाद शव को नाले में फेंककर ऊपर पत्थर रख दिए गए थे ताकि उसे छिपाया जा सके। पोस्टमार्टम के दौरान भी गला दबाने और गले पर किसी नुकीली वस्तु से तीन वार किए जाने के संकेत मिले हैं। बीएमओ डॉ. महेश त्रिवेदी ने बताया कि विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। मृतक की बहन रामकली रैकवार और चाचा जमुना रैकवार ने आरोप लगाया कि प्रेमलाल की पत्नी ने अपने कथित प्रेमी अखिलेश पटेल के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। उनका कहना है कि पुलिस पूछताछ में भी कई अहम तथ्य सामने आए हैं।

केन-बेतवा मुआवजा विवाद: चिता आंदोलन और आमरण अनशन आज भी जारी

आमरण अनशन से बिगड़ी तबीयत, पन्ना में आदिवासी महिलाओं ने बताई अपनी पीड़ा

पन्ना। दोपहर मेट्रो

केन-बेतवा लिंक परियोजना सहित मझगांय और रूंझ परियोजनाओं से प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। जय किसान संगठन के बैनर तले चल रहा चिता आंदोलन रविवार को दसवें दिन भी जारी है। वहीं संगठन के नेतृत्वकर्ता अमित भटनागर का आमरण अनशन भी चल रहा है। प्रदर्शन के दौरान कई आदिवासी महिलाओं ने भी अपनी पीड़ा साझा की। आंदोलनकारियों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन अब कई चरणों में चल रहा है। मिट्टी, जल और फांसी सत्याग्रह भी साथ-साथ चल रहे हैं। उनका कहना है कि विपरीत मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में प्रभावित परिवार आंदोलन में शामिल होकर अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर ने प्रशासन पर भू-अर्जन प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने भू-अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर एवं

पारदर्शिता अधिकार अधिनियम-2013 की धारा 38(1) एवं 38(2) का हवाला देते हुए कहा, प्रभावित परिवारों को पूर्ण मुआवजा दिए बिना भूमि अधिग्रहण और मकानों को तोड़ना कानून के विरुद्ध है। अमित भटनागर का कहना है कि यदि सरकार स्वयं कानून का पालन नहीं करेगी तो आम नागरिक न्याय के लिए कहां जाएंगे। आंदोलनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि आमरण अनशन के छह दिन पूरे होने के बावजूद अमित भटनागर का नियमित चिकित्सकीय परीक्षण नहीं कराया गया। प्रशासन का यह रवैया असंवेदनशीलता को दर्शाता है। आंदोलन स्थल पर मौजूद लोगों ने मांग की, अनशनकारी के स्वास्थ्य की तत्काल चिकित्सकीय जांच कराई जाए।

आदिवासी महिलाओं ने साझा की अपनी पीड़ा

प्रदर्शन के दौरान कई आदिवासी महिलाओं ने भी अपनी पीड़ा साझा की। कहा, बिना पर्याप्त मुआवजा और पूर्व सूचना के उनके मकान गिरा दिए गए तथा जमीन अधिग्रहित कर ली गई। कुछ महिलाओं ने यह भी दावा किया कि उन्हें घर का सामान तक निकालने का अवसर नहीं दिया गया। आंदोलन में शामिल महिलाओं ने पुनर्वास और मुआवजे की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की। विभिन्न सामाजिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का समर्थन भी मिल रहा है। आमरण अनशन के साथ-साथ कई महिला और पुरुष प्रभावित परिवारों के सदस्य क्रमिक अनशन पर भी बैठे हुए हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक सभी विस्थापित परिवारों को उचित मुआवजा, वैधानिक अधिकार और कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

घर में घुसकर डकैतों ने महिला के साथ की सामूहिक ज्यादती, एक किलो चांदी ले गए, अलीराजपुर में दहशत

अलीराजपुर। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले से एक सनसनीखेज और रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है, घटना जिले के बोरी क्षेत्र की है जहां शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात एक विधवा महिला के साथ हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर सामूहिक ज्यादती करते हुए बर्बरता की और एक किलो चांदी ले उड़े। घटना का पता चलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

अलीराजपुर जिले के बोरी क्षेत्र में एक विधवा महिला घर में अकेली रहती है। बीती रात 8 हथियारबंद बदमाश घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और महिला के साथ मारपीट की। डकैतों ने महिला के साथ सामूहिक ज्यादती की और फिर उसके साथ बर्बरता की हद पार करते हुए उसके निजी अंग पर लकड़ी से गंभीर चोट भी पहुंचाई।

बताया गया है कि डकैतों को संदेह था कि महिला के पास 8 किलो चांदी है, महिला ने 1 किलो चांदी डकैतों को सौंप दी थी लेकिन इसके बावजूद डकैतों ने उसके साथ सामूहिक ज्यादती व बर्बरता की।

डकैतों ने चांदी की तलाश में घर में तीन से चार जगह खुदाई भी की, लेकिन जब कुछ नहीं मिला तो डकैत महिला को घायल हालत में घर में छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता ने किसी तरह अपने साथ हुई घटना की सूचना ग्रामीणों को दी जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। महिला के साथ हुई इस बर्बरता से इलाके के लोगों में आक्रोश है। एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया भी मामले की गंभीरता को समझते हुए शनिवार को घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस टीम के साथ निरीक्षण कर जरुरी दिशा निर्देश दिए। विधवा महिला के साथ लूट और सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश है। आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष और कांग्रेस नेता महेश पटेल ने इसे मानवता को शर्मसार करने वाला अपराध बताते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। आदिवासी विकास परिषद ने घटना की निष्पक्ष, त्वरित और उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग करते हुए जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

रतलाम में युवक पर चाकू से हमला, मिर्ची फेंकी, आंतें कटी

रतलाम। दोपहर मेट्रो

शहर की जूनी कलालसेरी में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करते हुए आंखों पर मिर्ची फेंकी। हमलावरों ने पहले युवक की आंखों में मिर्ची झोंकी और फिर उस पर चाकू से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना जूनी कलालसेरी में हुई।

भोई मोहल्ला निवासी अंकित (26) पुत्र रमेश पर यह हमला किया गया। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने अचानक हमला बोला और मिर्ची फेंकने के बाद चाकू से वार किए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 100 की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश में जुट गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

भोई मोहल्ला निवासी मछली व्यवसायी अंकित (30) पिता रमेश कहार ने रिपोर्ट करवाई है। इसमें बताया कि रात 9.30 बजे को मैं, मेरा भाई गोलू कहार, दोस्त पवन कहार शनि गली की कलाली पर बैठकर शराब पी रहे थे। वहीं बाबर खान निवासी हाथीखाना भी शराब पी रहा था। उसके दोस्त भी थे। विवाद होने पर डायल-112 को कॉल करने के लिए मैं जैसे ही कलाली के बाहर आया तो बाबर खान दौड़कर आया और गालियां देने लगा। उसने धमकी दी कि आज तुझे जान से खत्म कर देता हूं। उसने चाकू से मेरे पेट और सीने पर चाकू से हमला कर दिया। मेरी चीख सुनकर कलाली में बैठा मेरा भाई गोलू व दोस्त पवन बाहर आए। इसी दौरान डायल-112 की गाड़ी आ गई और मुझे जिला अस्पताल ले गई। रात को जिला अस्पताल में 18 टांके लगाकर घायल अंकित को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

मेट्रो एंकर

मानसून के बीच सख्ती, सीहोर जिला प्रशासन ने सभी जल पर्यटन स्थलों पर लगाया प्रतिबंध

31 अगस्त तक वॉटरफॉल पर एंट्री बैन, पर्यटकों को लौटाया

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले में लगातार हो रही बारिश और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। पर्यटकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अमरगढ़, दिगंबर और कालियादेव वॉटरफॉल समेत सभी संवेदनशील जल पर्यटन स्थलों पर 31 अगस्त तक प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। शनिवार को दिगंबर वॉटरफॉल घूमने पहुंचे भोपाल के 15 से अधिक पर्यटकों को प्रशासन ने समझाइश देकर सुरक्षित वापस लौटा दिया।

कलेक्टर बालागुरु के. के. के निर्देश पर जिले के सभी जोखिमपूर्ण जल पर्यटन स्थलों पर 31 अगस्त तक आम लोगों और पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लगातार बारिश के कारण वॉटरफॉल, डैम और नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कई जगह तेज बहाव

और फिसलन की स्थिति बनी हुई है, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन का कहना है कि यह फैसला केवल लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया है। बीते दिन भोपाल से 15 से अधिक पर्यटक दिगंबर वॉटरफॉल घूमने पहुंचे थे। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें रोककर प्रतिबंध की जानकारी दी। नायब तहसीलदार रामलोचन तिवारी ने पर्यटकों को बताया कि लगातार बारिश के कारण वॉटरफॉल क्षेत्र बेहद खतरनाक हो चुका है। समझाइश के बाद सभी पर्यटक बिना किसी विवाद के वापस लौट गए।

जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 163 के तहत यह प्रतिबंध लागू किया है। प्रशासन का कहना है कि बारिश के दौरान अचानक जलस्तर बढ़ने, तेज बहाव और फिसलन जैसी परिस्थितियों में छोटी सी लापरवाही भी बड़ा हादसा बन सकती है। इसी वजह से संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर लोगों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित कराने के लिए राजस्व, वन, पुलिस और अन्य विभागों की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। प्रमुख वॉटरफॉल, डैम और जल पर्यटन स्थलों पर कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश न करने दिया जाए और जरूरत पड़ने पर मौके पर ही समझाइश देकर वापस भेजा जाए।

NHM/8/2/0008/2025-RKSK-NHM 1/1144187/20

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश

लिंक रोड 03, पत्रकार कॉलोनी के सामने, भोपाल म.प्र.
Email:- tendersnhmmp@gmail.com

क्रमांक / एन.एच.एम. / स्टोर/2026/E-877763/1615 भोपाल, दिनांक 07/07/2026

विज्ञापन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र भोपाल कार्यालय में आरकेएसके कार्यक्रम अंतर्गत साथियाँ (पियर एजुकेटर) हेतु ओवरकोट, टोपी एवं वॉटर बॉटल जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय किये जाने के संबंध में जेम पोर्टल के माध्यम से खुली निविदा क्रमांक GEM/2026/B/7675773, Date 06-07-2026 को जारी की गई। इच्छुक निविदाकर्ता ई-पोर्टल जेम पर ऑनलाईन निविदा अंतिम दिनांक 27.07. 2026 अपरान्हः 5:00 बजे तक जमा कर सकते है। निविदा संबंधी प्री-बिड दिनांक 10.07.2026 अपरान्हः 3:30 बजे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय, लिंक रोड 03, पत्रकार कॉलोनी के सामने, भोपाल में आयोजित की गई है। विस्तृत विवरण/जानकारी जेम पार्टल एवं https://www.nhmmp.gov.in पर उपलब्ध है।

(मिशन संचालक, एनएचएम द्वारा अनुमोदित) Digitally signed by SHARAD TIWARI Date: 07-07-2026 14:34:00

जी-15492/26

संयुक्त संचालक स्टोर
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश

प्लानिंग : टाइगर रिजर्व में 90 दिन में बदल जाएगी तस्वीर, सॉफ्ट रिलीज बोमा का लगभग 85 प्रतिशत काम हो चुका है पूरा

पर्यटकों के लिए तैयार हो रहे दो होटल, सफारी भी होगी व्यवस्थित

चीता पहुंच जाएंगे वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जैव विविधता के लिए प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्वों से अलग पहचान बनाने वाले वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही अभ्यारण्य) में हर साल वन्य जीवों का कुनबा बढ़ रहा है। वन्यजीवों की गणना के आंकड़ों के आधार पर पिछले 8 वर्षों में टाइगर रिजर्व में स्वछंद विचरण करने वाले स्तनपायी बाघ और लंगूरों के अलावा दुर्लभ हो चले गिद्धों की संख्या दोगुने से अधिक हुई है। वहीं अनुकूल परिस्थितियों और संरक्षित आवास के चलते मगरमच्छों के कुनबे में भी खासा इजाफा हुआ है। यही स्थिति रिजर्व में अन्य प्रजाति के वन्य जीवों की है। बारिश के तीन महीने बाद जब एक अक्टूबर से टाइगर रिजर्व खुलेगा तब उसकी तस्वीर बदली नजर आएगी। एक दशक के लंबे प्रयासों के बाद आगामी तीन माह टाइगर रिजर्व में परिवर्तन का बढ़ा कारण बनेंगे टाइगर रिजर्व में देश दुनिया से वाइल्ड लाइफ के शौकीनों को खींचने के लिए आवश्यक सुविधाओं पर काम किया जा रहा है। टाइगर रिजर्व से लगे छिरारी गांव में 15 से 20 कमरों को दो होटल बनाएं जा रहे हैं। बीना बारहा के पास भी एक लग्जरी होटल का काम जारी है जो जल्द ही तैयार होने वाली है। टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को बाघों का दीदार हो सकें इसके लिए सफारी पर भी काम किया जाएगा। वहीं सबसे बड़ी और आकर्षक पहल चीता प्रोजेक्ट की है टाइगर रिजर्व में सॉफ्ट रिलीज बोमा का काम अंतिम चरण में है इसलिए उम्मीद की जा रही है कि अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह में चीता टाइगर रिजर्व में लाए जा सकते हैं। टाइगर रिजर्व में वर्ष 2018 में बाघ बाघिन का जोड़ा लाया गया था इसके बाद से यहां पर बाघों की संख्या में इजाफा होता गया और आज वर्तमान में इनकी संख्या 30 के पार पहुंच गई है इसके बावजूद टाइगर रिजर्व में बहुत ही कम संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं जिसका मुख्य कारण पर्यटकों के सुविधाओं की कमी थी क्षेत्र में पर्यटकों के लिए खाना पानी रुकने के इंतजाम नहीं है जिन पर अब जाकर काम शुरू हुआ है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि बीते एक दशक से टाइगर रिजर्व पर काम चल रहा था, लेकिन अब वह समय आ गया है, जब हर महीने वीडीटीआर कोई न कोई उपलब्धि या बड़ी सफलता हासिल करेगा एक अक्टूबर को जब सफारी खुलेगी, तो पर्यटकों के लिए यहां पर विशेष सुविधाएं मिलेंगी।

पन्ना के बाघों का दूसरा घर होगा टाइगर रिजर्व

दूसरी ओर टाइगर रिजर्व वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक पर्यावास विचरण सुरक्षा की दृष्टि से टाइगर रिजर्व अन्य किसी भी टाइगर रिजर्व से बेहतर है अनुकूल परिस्थितियां वन्यजीवों को अपना कुनबा बढ़ावा के अवसर देती है संघर्ष की स्थिति भी यहां कम है अभी यहां 30से35 बाघ है, लेकिन आने वाले समय में 100 से अधिक बाघों की संख्या हो जाएगी, क्योंकि केन बेतवा परियोजना से पन्ना टाइगर रिजर्व से बाघों का विस्थापन तय है बाघों की इतनी बड़ी संख्या को अन्य टाइगर रिजर्व में शिफ्ट करना संभव नहीं होगा, क्योंकि वहां पहले से पर्याप्त बाघ है दमोह सागर पन्ना की भौगोलिक स्थितियों और लैंडस्केप एक जैसे हैं ऐसी स्थिति में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व ही सबसे नजदीक और व्यापक क्षेत्रफल की वजह से पन्ना के बाघों का दूसरा बसेरा बनेगा केन बेतवा लिंक की वजह से टाइगर रिजर्व की स्वीकृति दी गई है।

न्यूज विंडो

अलंकरण समारोह में नव-निर्वाचित छात्र परिषद ने ली जिम्मेदारी की शपथ

नरसिंहपुर। चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर में सत्र 2026-27 के लिए अलंकरण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि नरसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, आईपीएस ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को बैज एवं सैश प्रदान कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपीं। विद्यालय के प्राचार्य रेव. फादर वर्गीस एम. वी. ने छात्र परिषद के सभी सदस्यों को पद एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्रा सुश्री अश्विता उइके विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विद्यालय के स्कूल लीडर्स मोहम्मद अशाज़ खान एवं संस्कृति राजपूत तथा कैप्टन्स आनंद दुबे एवं समृद्धि धिमोले ने ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा विद्यालय की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लिया। समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन, जिम्मेदारी और सेवाभाव के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा मिली। विद्यालय परिवार ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सभी पदाधिकारियों को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

बस स्टैंड होने के बावजूद मुख्य सड़क पर खड़ी हो रही बसें, यातायात प्रभावित

तेंदूखेड़ा। नगर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से दमोह एवं जबलपुर मार्ग की बसों के लिए अलग-अलग बस स्टैंड निर्धारित किए गए हैं। दमोह जाने वाली सभी बसें निर्धारित बस स्टैंड पर ही खड़ी होती हैं तथा वहीं से यात्रियों का आवागमन सुचारु रूप से संचालित किया जाता है। इसके विपरीत जबलपुर जाने वाली अधिकांश बसें निर्धारित बस स्टैंड का उपयोग नहीं कर रही हैं। जबलपुर मार्ग की केवल कुछ बसें ही बस स्टैंड पर खड़ी होती हैं, जबकि अधिकांश बसें मुख्य सड़क पर ही यात्रियों को बैठाने एवं उतारने का कार्य करती हैं। इससे न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि नगर में बार-बार जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। मुख्य मार्ग पर बसों के खड़े रहने से अन्य वाहनों के आवागमन में कठिनाई होती है और राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि जिस स्थान पर बसें सड़क किनारे खड़ी की जाती हैं, उसके समीप एक गली भी है, जहां से लगातार दोपहिया, चार पहिया वाहन एवं पैदल लोग निकलते हैं। सड़क पर बसों के खड़े रहने के कारण इस गली से आने-जाने वाले लोगों को पर्याप्त दृश्यता नहीं मिल पाती, जिससे दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई गंभीर हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

तेंदूखेड़ा आईटीआई कॉलेज वापसी की मांग, युवाओं ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा ब्लॉक के दो दर्जन से अधिक लोगों ने आईटीआई कॉलेज पुनः खोलने के लिए नोहटा पहुंचकर राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने मांग की है कि तेंदूखेड़ा में पुनः आईटीआई कॉलेज पुनः खोली जाएं क्योंकि कॉलेज बंद होने से छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कवि चन्द्रभान सिंह लोधी ने बताया कि हमें प्राइवेट कॉलेज नहीं चाहिए बल्कि सरकारी कॉलेज को ही खोला जाए। और जुलाई के महीने में ही सरकारी पोर्टल पर तेंदूखेड़ा आईटीआई कॉलेज का नाम मेंशन करवाया जाए ताकि छात्र एडमिशन लेकर च्वाइस फिलिंग करवा सकें और जिन छात्रों का एडमिशन नोहटा कॉलेज में हुआ है उनका ट्रांसफर तेंदूखेड़ा में किया जाए। यदि 10 दिन के अंदर यह नहीं होता है तो हम लोग स्वतंत्र हैं आगे विशाल आंदोलन करेंगे। राजा खान ने बताया कि यह जनहित का मुद्दा है छात्रों को बहुत परेशानी आ रही है उनको अन्य शहरों में पढ़ने जाना पढ़ रहा है। इसलिए हम लोग मांग कर रहे है कि तेंदूखेड़ा में पुनः आईटीआई कॉलेज खोला जाए। किसानपुत्र दुर्गेश सिंह ने बताया कि यदि 10 दिन में हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम लोग आगे विशाल आंदोलन करेंगे और हर कानूनी लड़ाई लड़ेंगे छात्र दीपक नामदेव ने बताया कि हम लोग पहले तेंदूखेड़ा में ही पढ़ते थे लेकिन बीच में ही कॉलेज छोड़नी पड़ी जिससे बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन सौंपने में कवि चन्द्रभान सिंह लोधी, राजा खान, नरेश लोधी, राहुल सिंह, नीलेश सिंह, दुर्गेश सिंह, प्रियांश सिंह, दीपक नामदेव, बृजेंद्र सिंह, वीर पटेल, पूरन सिंह, प्रवीण राय, धनसिंह आदिवासी, जगत सिंह सहित कई युवा मौजूद रहे।

सागर जिले के रहली थाना क्षेत्र के ग्राम गुड़ा खुर्द की घटना

तालाब में नहाने गए दो मासूमों की डूबने से मौत, पसरा मातम

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सागर जिले के रहली थाना क्षेत्र में बीते दिन एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गम में डुबो दिया। बलेह चौकी क्षेत्र के ग्राम गुड़ा खुर्द में तालाब में नहाने गए दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार गत दिवस करीब 2:30 बजे ग्राम गुड़ा खुर्द निवासी दो बच्चे सलैया के पास स्थित चंदेना तालाब में नहाने के लिए पहुंचे थे। नहाते-नहाते दोनों बच्चे तालाब के गहरे हिस्से में चले गए। पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगने के कारण दोनों डूबने लगे और देखते ही देखते पानी में समा गए।

हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान 11 वर्षीय लवकुश आदिवासी, पिता राहुल सिंह आदिवासी और 12 वर्षीय शिवम यादव, पिता बाबू यादव के रूप में हुई है। दोनों बच्चे ग्राम गुड़ा खुर्द के रहने वाले थे। एक साथ गांव के दो मासूमों की मौत से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही बलेह चौकी और रहली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों के शव तालाब से बाहर निकाले गए। पुलिस ने मौके पर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए रहली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेज दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और लोग परिजनों को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

अमरकंटक के रामसेतु पर सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में हाल ही में निर्मित रामसेतु की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सेतु पर अब तक तड़ित चालक नहीं लगाया गया है। तो बारिश और आकाशीय बिजली के दौरान श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न होती है। कुछ समय पूर्व अमरकंटक क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत की घटना भी सामने आ चुकी है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही वाले रामसेतु पर आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन हुआ है या नहीं, यह जांच का विषय बन गया है। भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या इसकी जवाबदेही नगर परिषद, अमरकंटक विकास प्राधिकरण, नर्मदा उद्गम ट्रस्ट अथवा निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार की होगी। रामसेतु का तकनीकी सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। यह स्पष्ट किया जाए कि पुल पर तड़ित सुरक्षा सहित सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन किया है या नहीं, तथा यदि कोई कमी पाई जाती है तो उपकरण स्थापित किए जाए।

अतिक्रमण हटाने को लेकर लगाए भेदभाव के आरोप

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर स्थानीय लोगों में नाराज़गी देखने को मिल रही है। आरोप है कि कार्रवाई सभी पर समान रूप से नहीं की जा रही, बल्कि गरीब और छोटे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती दिखाई जा रही है, जबकि प्रभावशाली संस्थानों और बड़े अतिक्रमणों पर कार्रवाई नहीं हो रही।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है तो नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए। उन्होंने प्रश्न उठाया कि मृत्युंजय कल्याण आश्रम, शांतिकुटी, गुरुद्वारा और जैन मंदिर जैसे स्थानों पर यदि कहीं अवैध अतिक्रमण है, तो क्या वहां भी नगर परिषद समान कार्रवाई करेगी? लोगों ने यह भी मांग की है कि नगर परिषद इस विषय पर अपना पक्ष स्पष्ट करे और बताए कि अभियान के लिए क्या मानक तय किए गए है।

सांप के काटने से महिला की मौत, अस्पताल में हंगामा

शहडोल। दोपहर मेट्रो

बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उस समय हंगामा मच गया, जब सांप के काटने से गंभीर हालत में भर्ती कराई गई एक बुजुर्ग महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ मारपीट की। जान बचाने के लिए डॉक्टर को अस्पताल के एक कमरे में खुद को बंद करना पड़ा। जानकारी के अनुसार बुढार थाना क्षेत्र की रहने वाली 70 वर्षीय प्रेमा सिंह को सांप ने काट लिया था। परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार लेकर पहुंचे। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर कुलदीप सिंह ने महिला का उपचार शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजन भड़क गए। आरोप है कि उन्होंने अस्पताल परिसर में जमकर तोड़फोड़ की और उपचार कर रहे डॉक्टर कुलदीप सिंह के साथ मारपीट करते हुए जानलेवा हमला किया। स्थिति बिगड़ती देख डॉक्टर ने अपनी सुरक्षा के लिए अस्पताल के एक कमरे में खुद को बंद कर लिया। बताया जा रहा है कि हंगामे के बाद परिजन महिला का शव लेकर अस्पताल से चले गए। घटना की सूचना डॉक्टरों ने बुढार पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

रात 2 बजे रानी की चीख सुनकर जागा परिवार, लड़की के हाथ के पास बैठा था सांप, अशोकनगर अस्पताल में मौत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

अशोकनगर मध्यप्रदेश में बारिश का मौसम आते ही सर्पदंश की घटनाएं बढ़ गई हैं। अशोकनगर जिले से भी सर्पदंश से एक 15 साल की लड़की की मौत की खबर सामने आई है। घटना जिले के शाढ़ौरा गांव की है जहां बीती रात 2 बजे सोते वक्त लड़की के हाथ में सांप ने डस लिया था। परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज शुरू हुआ, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। शनिवार को इलाज के दौरान लड़की की मौत हो गई। बेटी की मौत से परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। शाढ़ौरा में रहने वाले मनोज पटेल की 15 वर्षीय बेटी रानी बीती रात अपनी दादी के साथ घर के एक कमरे में जमीन पर सो रही थी। रात 2 बजे अचानक जोर से चीखी तो परिजन की नींद खुली, परिजन ने तुरंत कमरे का लाइट जलाया तो रानी के हाथ के पास एक सांप बैठा हुआ था। सांप ने रानी के हाथ पर डस लिया था, परिजन ने किसी तरह सांप को कमरे से भगाया और तुरंत रानी को लेकर शाढ़ौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे। रानी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजन रात में ही रानी को लेकर अशोकनगर जिला अस्पताल पहुंचे, वहां उसका इलाज भी शुरू हो गया लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर रानी को बचा नहीं पाए। शनिवार को इलाज के दौरान रानी की मौत हो गई। रानी की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। रानी की मौत की सूचना अस्पताल से मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, परिजन शव को लेकर अपने गांव शाढ़ौरा रवाना हो गए।

सांप काटने के मामले

केस-1: मानसून का मौसम आते ही मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों से लगातार सांप के काटने की खबरें आ रही है। बीते दिनों राजगढ़ जिले के समीपस्थ गांव मांडाखेड़ा में घर के आंगन में खेल रहे एक पांच साल के मासूम को सांप ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

केस-2: राजगढ़ जिले के ब्यावरा तहसील के गांगाहोनी गांव में रात के समय सांप के काटने से 40 वर्षीय निजी स्कूल संचालक की मौत हो गई। समय पर उपचार नहीं मिलने और झाड़फूंक में समय गंवाने के कारण उनकी जान नहीं बच सकी। जहरीला सांप स्कूल संचालक के घर के किचन में काल बनकर बैठा था और रात 12 बजे जब दूध का बर्तन रखने के लिए स्कूल संचालक किचिन में पहुंचे तो सांप ने उन्हें काट लिया।

मेट्रो एंकर — सीड बॉल अभियान की ओर बढ़ते कदम, इमलीडोल में डाली गईं 20 हजार सीड बॉल

आज बोए गए बीज कल बनेंगे हरियाली की पहचान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पर्यावरण संरक्षण, वन संवर्धन एवं हरित क्षेत्र के विस्तार के उद्देश्य से ग्रामीण विकास समिति द्वारा जुलाई माह में संचालित सीड बॉल अभियान के अंतर्गत इमलीडोल के वन क्षेत्र की खाली पड़ी भूमि में 20 हजार सीड बॉल डाली गईं। इस अवसर पर राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के पिता भावसिंह लोधी विशेष रूप से उपस्थित रहे और स्वयं सीड बॉल डालकर अभियान में सहभागिता की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोधी ने कहा कि आज धरती की गोद में सौंपे जा रहे ये बीज आने वाले वर्षों में विशाल वृक्षों का रूप लेकर पर्यावरण संरक्षण, वर्षा संतुलन, जैव विविधता के संवर्धन तथा लोगों को शुद्ध ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने नागरिकों से प्रकृति संरक्षण के ऐसे जनहितकारी अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण एवं वृक्ष संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। अभियान में ग्राम इमलीडोल वन समिति के सदस्य, ग्रामवासी, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएँ, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए वन क्षेत्र की खाली भूमि में 20 हजार सीड बॉल डालकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। ग्रामीण विकास समिति के कार्यक्रम संगठक धरमदास पाल ने बताया कि वर्षा ऋतु के दौरान दो लाख सीड बॉल डालने का व्यापक अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य प्राकृतिक रूप से अधिक से अधिक पौधों का अंकुरण सुनिश्चित करना, वन क्षेत्रों का पुनर्जीवन करना, हरित आवरण में वृद्धि करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में क्षेत्र के अन्य वन क्षेत्रों में भी स्थानीय समुदाय एवं वन समितियों के सहयोग से इसी प्रकार के सीड बॉल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में वन समिति के पदाधिकारी, ग्रामीणजन, सामाजिक कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, शिक्षक सहित लगभग पचास लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया। यह अभियान स्थानीय समुदाय की भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल के रूप में उभर रहा है।

घरेलू शेर...परदेश में ढेर

आखिर हारा कौन... खिलाड़ी, मैनेजमेंट, सिलेक्टर या फिर बोर्ड

वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया व आईपीएल के शेरों ने इंग्लैंड में घुटने टेक दिए हैं। जो खिलाड़ी घरेलू मैदान पर 1 माह चले वर्ल्ड कप और उसके बाद अपनी ही जमीन पर दो महीने के आईपीएल में भूचाल बने हुए थे,वह विदेशी पिचों पर एक बार फिर ढेर हो गये।आयरलैंड के बाद इंग्लैंड ने भी लगातार 2 बार की चैंपियन टीम इंडिया को 5 मैचों की सीरीज में 4-0 से रौंद दिया।भले ही सीरीज का पहला मुकाबला बारिश की वजह से बिना फैसले वाला रहा हो,लेकिन जिस अंदाज में अंग्रेजों ने चैंपियन टीम का सूपड़ा साफ किया है उसके बाद तो उस भिड़ंत की तस्वीर भी सीरीज के सभी मैचों से अलग कतई नहीं है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मतलब साफ है कि मेरे नजरिये में यह सीरीज 5-0 की ही क्लीन स्वीप है।सही मायने में इस पूरी सीरीज वर्ल्ड चैंपियन नंबर 1 की टीम ना तो अच्छी बल्लेबाजी कर सकी है ,और ना ही उसके गेंदबाज कोई कमाल दिखा दिला सके हैं।दरअसल टी20 फ़ॉर्मेट के बादशाह यानी टीम इंडिया के जो दुर्गति हालिया समय मे देखने को मिल रही है इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। अब सवाल यह उठता है कि आखिरकार ऐसा क्या हो गया कि लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद चैंपियन टीम इस फ़ॉर्मेट के मैदान में एकदम लाचार नजर आ रही है।क्या सिर्फ खिलाड़ी ही इस हार के जिम्मेदार हैं।हालांकि यह सच है कि किसी भी खेल के मैदान में हुई हार-जीत का असल किरदार तो खिलाड़ी ही होता है।लेकिन भारतीय क्रिकेट में आज के दौर में इसके मायने थोड़े अलग बताये व जताये जाते हैं। मतलब साफ है कि जब टीम इंडिया लगातार जीत के रथ पर सवार होती है तब तो बोर्ड से लेकर चयनकर्ताओं ओर मैनेजमेंट की प्लानिंग व भविष्य की सोच के लिए तरह - तरह गुणगान किये जाते हैं। लेकिन जब यही चैंपियन टीम मैदान पर ढेर होने लगती है तो फिर बात सिर्फ खिलाड़ी और उनकी कमजोरियों के सुधार की होने लगती है।ऐसे में मेरा नजरिया खेल के तमाम पंडितों और जानकारों से अलग व थोड़ा हटकर है।

अगर हम बात टीम इंडिया और उसके सबसे सफल फॉर्मेट यानी टी20 इंटरनेशनल की करें तो फिर 2006 से शुरुआत के बाद भारतीय टीम का यह सबसे लंबा दौर है जहां टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी है।बेलफास्ट से शुरू हुआ यह निराशाजनक सफर अब साउथम्प्टन में खत्म हुआ।हालांकि कुछ ही दिनों के बाद वर्ल्ड चैंपियन टीम जिम्बाब्वे के दौरे पर झंडे गाड़कर इन 7 मैचों की शिकस्त को भूली बिसरी यादों में समा भी देगी,लेकिन फिर भी क्रिकेट के खेल पर बारीक नजर रखने वालों और टीम इंडिया के भविष्य की बात करने वाले मैनजेमेंट के लिहाज से मौजदा विदेशी दौरा आंखे खोलने वाला कहा जा सकता है।भले ही इंग्लैंड में मिली करारी शिकस्त पर तरह तरह के विश्लेषण किये जा रहे हों।फिर भी मेरा नजरिया इस मामले में एकदम साफ है कि मैदान में भले ही युवा खिलाड़ियों की हार हुई हो,लेकिन इस करारी हार में हिस्सेदारी चयनकर्ता, मैनजेमेंट ओर भारतीय क्रिकेट बोर्ड की भी कम नहीं है।सबसे पहले बात अगर भारतीय क्रिकेट बोर्ड की करें तो यह बात समझ से परे है कि आखिरकार इतना शक्तिशाली भारतीय क्रिकेट बोर्ड विदेशी जमीन खासकर इंग्लैंड,न्यूजीलैंड,ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के मैदानों जैसे डाइमेंशन,साइज और पिचों के लिए खिलाड़ी तैयार क्यों नहीं कर पा रहा है।क्या बीसीसीआई सिर्फ आर्थिक लाभ वाले आईपीएल के हिसाब से ही मापदंड तय करता है।सवाल पेचीदा व गंभीर है लेकिन जोफ्रा आर्चर ने जब भारतीय युवा विस्फोटक बल्लेबाजों की काबलियत पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए यह बोला कि पिच ओर मैदान आईपीएल के नहीं है तो फिर उसके कुछ मायने तो निकलेंगे ही।अब यह तो वक्त ही बतायेगा कि टी20 फ़ॉर्मेट के लिए बोर्ड इस तरह की करारी हार से क्या ओर कितना सबक लेता है।इस मामले में बोर्ड को इतर रखकर अब अगर हम बात अगली कड़ी यानी चयनकर्ताओं की करें तो सवाल फिर भी वही है, क्या विदेशी सरजमीं पर करारी शिकस्त में उनका कोई किरदार नहीं है।मेरे लिए तो चयनकर्ताओं का टीम के चयन का आधार पिछले कई सालों समझना बेहद जटिल रहा है।दरअसल उनके चयन के फार्मूले में तरह तरह के वह गणित शामिल रहते हैं जिनका जवाब शायद उनके पास भी नहीं रहता होगा।

टीम के चयन को देखकर के बार ऐसा लगता है कि घरेलू क्रिकेट की तवज्जों की बात करने वाले चयनकर्ताओं के लिए उसके कोई मायने ही नहीं हैं।वहीं कभी उम्र की दुहाई और भविष्य की टीम तैयार करने के नाम पर ऐसा टीम संयोजन कर देते हैं जिसका खामियाजा कई बार मैनजेमेंट को भी भुगतना पड़ता है।मौजूदा दौरे की चयनित टीम इंडिया को देखकर तो यही कहा जा सकता है।मौजूदा टीम में जिस अंदाज में सिर्फ बांये हाथ के बल्लेबाजों का चयन किया गया उसके बाद तो ऐसा लगा कि भारतीय क्रिकेट के टी20 फ़ॉर्मेट में दांये हाथ के बल्लेबाजों बचे ही नहीं हैं।अगर चयनकर्ताओं की नजर में इस टीम के चयन का आधार सिर्फ आईपीएल ही था तो फिर गिल,पाटीदार,ध्रुव जुरेल और भुवनेश्वर कुमार जैसे आईपीएल हीरो को नजरअंदाज क्यों किया गया। अगर पैमाना आईपीएल ही था तो मेरे हिसाब से तो अक्षर पटेल से बेहतर कुणाल पंड्या कहे जा सकते थे।खैर चयनकर्ताओं के चयन का आधार व उनकी सोच क्या है यह तो चयनसमिति ही समझ सकती है,लेकिन जब चैंपियन टीम की हार इस तरीके से होती है तो फिर उनके नजरिये पर सवाल उठना भी लाजमी है।भले ही यह सब बातें मैदान से हटकर टीम को तैयार करने और उसकी ताकत व कमजोरी को परखने की हों व बात चैंपियनशिप बरकरार रखने के साथ नंबर 1 बने रहने की दौड़ की हो तब इन पहलुओं को दरकिनार नहीं किया जा सकता है।फिर भी अगर चैंपियनशिप वाली इस दौड़ की आखिरी कड़ी की करें तो खिलाड़ियों और उनके संयोजन का सटीक इस्तेमाल करने वाली टीम मैनजेमेंट ने भी इस दौरे में यह एहसास करवा दिया है कि उनके एकादश चयन का फार्मूला भी सभी मुकाबलों में हारा है।आयरलैंड से मिली हार के बाद से टीम मैनेजमेंट लगातार थोक के भाव बदलाव करता रहा। टीम एकादश के संयोजन में उठापटक बल्लेबाज की हो या फिर फेरबदल गेंदबाजों का ही क्यों न किया हो सभी बेतुके ही साबित हुए हैं।टीम ने सबसे पहले वैभव सूर्यवंशी को खिलाने के दबाव में वर्ल्ड कप प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे संजू सैमसन को प्लेइंग-11 से बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं आखिरी मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों की फिर अदला बदली का फैसला अजब ही नजर आया।ऐसा ही कुछ नजारा गेंदबाजों और आलराउंडर के बीच भी मौजूदा पूरी सीरीज में देखने को मिला।भले ही तरह तरह के प्रयोग पूरी सीरीज में किये गये हों,लेकिन टीम में लगातार 3 आलराउंडर के नकारात्मक दांव ने टीम की लुटिया डुबाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। खासकर शिवम दुबे और अक्षर पटेल का मैदान में इस्तेमाल तो यही बताता है कि मैनजेमेंट यही तय नहीं कर पाया कि इन दोनों का किरदार क्या है।मतलब साफ है कि टेस्ट फ़ॉर्मेट में घरेलू शेर कही जाने वाली टीम इंडिया के लिए मौजूदा विदेशी दौरा नींद से जगाने वाला टूर है।अब देखना यह है कि इस वेक अप कॉल से कितना सबक कौन हासिल करता है।वैसे भी जब टी20 में टीम इंडिया की तूती बोलती रही है और अचानक उसका विजयरथ रुक जाये तो फिर सवाल तो यही बनेगा....कि आखिर हारा कौन ....

ताश के पत्तों की तरह बिखरी टीम इंडिया!

इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज किया क्लीन स्वीप, विश्व नंबर-1 का ताज भी छीना

साउथम्प्टन, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को खेला गया। साउथम्प्टन के द रोज बाउल में हुए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने 56 रनों से शानदार जीत हासिल की। मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को जीत के लिए 258 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए वो 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 4-0 से अपने नाम कर लिया। पहली बार भारतीय टीम ने किसी टी20 सीरीज में चार मुकाबले गंवाए हैं।

भारतीय टीम ने सीरीज तो गंवाया ही, वो आईसीसी की टी20ढ्ढ रैंकिंग में भी नंबर-1 की पोजीशन से डिसमिस हो गई। अब इंग्लैंड टी20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच चुका है। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेला गया, जो बारिश के चलते बेनतीजा रहा। वहीं मैनचेस्टर टी20ढ्ढ में इंग्लैंड ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। नॉटिंघम में खेला गया मुकाबला इंग्लैंड ने 125 रनों से जीता। फिर ब्रिस्टल टी20ढ्ढ में भी मेजबान टीम ने 9 विकेट से जीत का स्वाद चखा। अब साउथम्प्टन में भी इंग्लिश टीम श्रेयस ब्रिगेड पर भारी पड़ी।रनचेज में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा सिर्फ 3 रनों के निजी स्कोर पर जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। संजू सैमसन (27 रन) ने कुछ अच्छे शॉट्स जरूर खेले, लेकिन सैम करन ने अपनी पहली ही गेंद पर उन्हें फंसा लिया।

लियान ने श्रेयस को फंसाया फिरकी में

कप्तान श्रेयस अय्यर (28 रन) और ईशान किशन ने तीसरे विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। लियाम डॉसन ने श्रेयस को अपनी फिरकी में फंसाया। ईशान किशन भी अर्धशतक जड़ने के बाद ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और उन्हें आदिल राशिद ने आउट किया। ईशान ने 35 बॉल पर 56 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल रहे। ईशान किशन के आउट होने के बाद भारतीय टीम मुकाबले में काफी पिछड़ गई। तिलक वर्मा ने जरूर 3 चौके और चार छक्के की मदद से 25 गेंदों पर 53 रन बनाए। वहीं शिवम दुबे (14 रन), सूर्यांश शेडगे (7 रन) और अक्षर पटेल (3 रन) ने बल्ले से निराशाजक प्रदर्शन किया।

वैभव-सुंदर को नहीं मिला मौका

भारतीय टीम के लिए इस मैच में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर खेलने नहीं उतरे। उनकी जगह क्रमशः विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को मौका मिला। दूसरी ओर इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग-11 में एक बार फिर लियाम डॉसन को शामिल किया। डॉसन ने रेयान अहमद की जगह ली। भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक 35 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 18 मैचों में जीत हासिल की। जबकि इंग्लिश टीम ने 16 मुकाबले अपने नाम किए। एक मुकाबले का नतीजा भी नहीं निकला।

ऐसी रही इंग्लैंड की बल्लेबाजी

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने फिल साल्ट का विकेट दूसरे ओवर में गंवा दिया। साल्ट 6 रनों के निजी स्कोर पर प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। यहां से जोस बटलर और कप्तान हैरी ब्रूक ने तूफानी डबल सेंचुरी साझेदारी की। इस साझेदारी के दौरान जोस बटलर ने सिर्फ 51 गेंदों पर शतक जड़ दिया। बटलर और ब्रूक के बीच दूसरे विकेट के लिए 102 गेंदों पर 233 रनों की साझेदारी हुई। इस पार्टनरशिप ने टीम इंडिया को बेबस कर दिया। बटलर ने 64 बॉल पर 131 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। बटलर के टी20 इंटरनेशनल करियर का ये दूसरा शतक रहा। बटलर को 19वें ओवर में शिवम दुबे ने चलता किया। शिवम ने फिर अगली गेंद पर जैकब बेथेल (0 रन) को पवेलियन रवाना कर दिया। हैरी ब्रूक अपना शतक पूरा नहीं कर पाए और उन्होंने नाबाद 95 रनों का योगदान दिया।

नॉर्वे को हराकर फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

जूड बेलिंगहैम बने जीत के हीरो

फ्लोरिडा, एजेंसी

इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। गर्मी और उमस के बीच खेले गए इस मुकाबले में जूड बेलिंगहैम एक बार फिर इंग्लैंड के हीरो साबित हुए। फ्लोरिडा के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के दौरान तापमान करीब 90 डिग्री फारेनहाइट (करीब 32 डिग्री सेल्सियस) था, जबकि हीट इंडेक्स 108 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच गया था। कठिन मौसम का असर दोनों टीमों के खेल पर साफ दिखाई दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने कुछ मौके बनाए, लेकिन खेल की रफ्तार सामान्य से धीमी रही।इंग्लैंड ने शुरुआती दौर में गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा। 29वें मिनट में हैरी केन को फ्री-किक का शानदार मौका मिला, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। 35वें मिनट में नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड का हेडर दर्शकों में उत्साह भर गया। हालांकि, वह गोल करने से चूक गए। इसके ठीक एक मिनट बाद एंड्रियास श्जेलडेरप ने शानदार लेफ्ट फुट शॉट लगाकर इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी।

रिव्यू में नॉर्वे का दूसरा गोल रद्द घोषित किया गया

हालांकि इंग्लैंड ने हाफ टाइम से ठीक पहले वापसी की। राउंड ऑफ-16 में मेक्सिको के खिलाफ टीम को जीत दिलाने वाले जूड बेलिंगहैम ने एक और शानदार गोल कर नॉर्वे के खिलाफ इंग्लैंड का स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में नॉर्वे ने फिर बढ़त हासिल कर ली थी। कॉर्नर किक के बाद टॉर्बजॉर्न हेगेम ने गेंद को गोल में पहुंचा दिया, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी के रिव्यू में पाया गया कि कॉर्नर मिलने से पहले एर्लिंग हालैंड ने इंग्लैंड के एक खिलाड़ी को धक्का दिया था। इसके बाद यह गोल रद्द कर दिया गया। निर्धारित 90 मिनट के बाद दोनों टीमों का स्कोर 1-1 रहा और मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

60 साल की सुनहरी सिनेमाई यात्रा का जश्न हेमा मालिनी के सम्मान में सजा सितारों का महाकुंभ

जितेंद, शत्रुघ्न और राकेश रोशन ने ताजा की यादें

हिंदी सिनेमा की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी के फिल्मी करियर के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मुंबई में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस खास अवसर पर फिल्म जगत की कई दिग्गज हस्तियां एक मंच पर नजर आईं। अभिनेता जितेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा और अभिनेता-निर्देशक राकेश रोशन ने समारोह में शामिल होकर न सिर्फ हेमा मालिनी को शुभकामनाएं दीं, बल्कि अपने पुराने दिनों की यादें भी ताजा कीं। तीनों कलाकारों की एक साथ मौजूदगी ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।

समारोह में सबसे पहले जितेंद्र और राकेश रोशन पहुंचे। कुछ देर बाद शत्रुघ्न सिन्हा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। तीनों दिग्गज कलाकारों ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और कैमरों के सामने मुस्कुराते हुए तस्वीरें खिंचवाईं। इन सितारों को एक साथ देखकर समारोह में मौजूद मेहमानों और प्रशंसकों में खासा उत्साह देखने को मिला। हेमा मालिनी के छह दशक लंबे फिल्मी सफर को समर्पित इस समारोह में उनकी यादगार फिल्मों पर आधारित विशेष संगीतमय प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान उनके अभिनय, नृत्य और हिंदी सिनेमा में दिए गए योगदान को याद किया गया। समारोह भावनात्मक भी रहा, जहां दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सफल फिल्मों की रही लंबी फेहरिस्त

जितेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने करियर में कई सफल फिल्मों में साथ काम किया है। इनमें मांग भरो सजना, जानी दोस्त, होशियार और आग और शोला जैसी फिल्में प्रमुख हैं। वहीं हेमा मालिनी और जितेंद्र की जोड़ी भी हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय जोड़ियों में शामिल रही। दोनों ने खुशबू, किनारा, द बर्निंग ट्रेन, हम तेरे आशिक हैं और गहरी चाल जैसी फिल्मों में साथ अभिनय किया। शत्रुघ्न सिन्हा और हेमा मालिनी की जोड़ी क्रांति, नसीब, बगावत और हम से ना टकराना जैसी फिल्मों में दर्शकों की पसंद बनी।

मी ह्यटू विवाद के बाद बदल गए संस्कारी बाबूजी आलोक नाथ, दोस्त ने किया बड़ा

हिंदी सिनेमा में संस्कारी बाबूजी की पहचान बना चुके अभिनेता आलोक नाथ लंबे समय से फिल्मी दुनिया से दूर हैं। साल 2018 में मीटू आंदोलन के दौरान उन पर लगे आरोपों के बाद उनका सार्वजनिक जीवन लगभग समाप्त हो गया। अब उनके बचपन के दोस्त और अभिनेता राजेश पुरी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि इन घटनाओं ने आलोक नाथ की जिंदगी पूरी तरह बदल दी है। उनके मुताबिक, अभिनेता अब बेहद शांत और एकांतपूर्ण जीवन जी रहे हैं तथा उन्होंने खुद को फिल्म इंडस्ट्री से लगभग अलग कर लिया है।

सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में राजेश पुरी ने बताया कि जब आलोक नाथ पर %मीटू% के आरोप लगे थे तो पूरा फिल्म उद्योग हैरान रह गया था, क्योंकि उनकी छवि हमेशा एक संस्कारी और सादगीपूर्ण अभिनेता की रही थी। इन आरोपों के बाद उन्होंने खुद को लोगों से दूर कर लिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी दिखाई देना लगभग बंद कर दिया।

राजेश के अनुसार, आलोक नाथ अब अपने घर से बहुत कम बाहर निकलते हैं और शांत जीवन बिताना पसंद करते हैं। दिल के साफ इंसान हैं, राजेश पुरी ने अपने पुराने दोस्त का बचाव करते हुए कहा कि आलोक नाथ दिल के बेहद साफ और स्नेही इंसान हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनमें कुछ कमजोरियां थीं। उन्होंने कहा कि अगर कोई बात उन्हें परेशान करती थी तो वे उसे आसानी से सहन नहीं कर पाते थे। इसके अलावा शराब की लत ने भी उनके व्यवहार पर नकारात्मक असर डाला।उन्होंने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में आलोक नाथ का व्यवहार हमेशा अच्छा रहता था, लेकिन शराब पीने के बाद वे आक्रामक और अनियंत्रित हो जाते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी।

मेट्रो बाजार

विशेषज्ञों का दावा: भारत की ग्रोथ स्टोरी पर बढ़ रहा दुनिया का भरोसा

नई दिल्ली । प्राइस वाटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एलएलपी के विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास यात्रा को लेकर वैश्विक निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , मजबूत कॉरपोरेट गवर्नेंस, पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्वसनीय संस्थागत व्यवस्था भारत को टिकाऊ आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार द्वारा कारोबार को आसान बनाने के लिए उठाए जा रहे कदम भी देश में अधिक पूंजी, प्रतिभा और निवेश आकर्षित करने में मदद कर रहे हैं। प्राइस वाटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एलएलपी के पार्टनर राहुल चट्टोपाध्याय ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आज लगभग हर कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व को अच्छी तरह समझ रही है। उन्होंने कहा कि आज सूचना सभी के लिए आसानी से उपलब्ध है और कंपनियां एआई-आधारित विकास को गति देने के लिए जरूरी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में लगातार निवेश कर रही हैं। उनका मानना है कि आने वाले समय में एआई कारोबार की दिशा तय करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक बनने जा रहा है। राहुल चट्टोपाध्याय ने कहा कि इस चर्चा से सबसे बड़ा संदेश यही निकलकर आया कि किसी भी संगठन के लिए विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी होती है। जब किसी कंपनी पर भरोसा बढ़ता है, तो उसे बेहतर निवेश मिलता है और यही निवेश आगे चलकर टिकाऊ विकास का आधार बनता है।

भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों की दमदार वापसी, किया 4,670 करोड़ रुपए का निवेश

मुंबई । विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में फिर से खरीदारी का रुख किया। एक्सचेंज के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने सप्ताह के दौरान 4,670 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशक भी हमेशा की तरह बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। उन्होंने इस सप्ताह 8,280 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया।

इस बीच, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिए निवेश बढ़कर 31,780 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले तीन महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। विश्लेषकों के अनुसार, यह राशि मई के 30,950 करोड़ रुपए की तुलना में 2.7 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून 2025 में दर्ज 27,270 करोड़ रुपए के मुकाबले इसमें 16.5 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई है।

बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट पबित्रो मुखर्जी ने कहा कि प्रमुख शेयर सूचकांकों की लगातार चार सप्ताह की तेजी इस सप्ताह थम गई और बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। उन्होंने कहा कि सप्ताह की शुरुआत में निफ्टी ने अच्छी तेजी दिखाई और मंगलवार को 24,530 का साप्ताहिक उच्च स्तर बनाया। हालांकि, सप्ताह के बीच में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार में भारी गिरावट आई, जिसके चलते बुधवार को निफ्टी गिरकर 23,805 अंक के साप्ताहिक निचले स्तर तक पहुंच गया और हालिया बढ़त लगभग पूरी तरह खत्म हो गई। इसके बाद सप्ताह के अंतिम दो कारोबारी सत्रों में बाजार में अच्छी रिकवरी देखने को मिली और निफ्टी लगभग 24,200 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

उत्तरकाशी में खीर गंगा का जलस्तर बढ़ा, लोगों से सतर्क रहने की अपील

उत्तरकाशी। धराली क्षेत्र में खीर गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए हर्षिल थाना पुलिस ने एहतियात के तौर पर नदी किनारे रहने वाले लोगों और स्थानीय नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर रहने तथा सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस ने लोगों से खीर गंगा के आसपास अनावश्यक आवाजाही नहीं करने और नदी से सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया है। साथ ही प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की सलाह दी गई है। प्रशासन के अनुसार क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। स्थानीय लोगों से कहा गया है कि किसी भी आपात स्थिति या खतरे की आशंका होने पर तत्काल पुलिस अथवा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त एहतियाती कदम भी उठाए जाएंगे।

जापान और ताइवान में तबाही के बाद चक्रवात 'बावी' का कहर जारी

चीन में बाढ़ से 18 लाख लोग विस्थापित बांग्लादेश में अब तक 44 की गई जान

नई दिल्ली। एजेंसी

जापान और ताइवान में तबाही मचाने के बाद चक्रवात 'बावी' चीन के पूर्वी शहर वेंझोउ की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए 18 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। वहीं, बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन में कम के कम 44 लोगों की मौत हो गई है, जबकि लाखों लोग बाढ़ में इधर-उधर फंसे हैं।

तूफान 'बावी' जापान के दक्षिणी साकिशिमा द्वीप समूह में भारी बारिश से आई बाढ़ और तेज हवाओं के बाद उत्तरी ताइवान के पास से गुजरने के बाद पूर्वी चीन के बड़े शहर वेनझोऊ की ओर बढ़ रहा है। इस बीच चीन ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए शनिवार को 18 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया। हालांकि, ठंडे समुद्र के ऊपर उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए तूफान 'बावी' की रफ्तार कम हो रही है और यह कमजोर पड़ रहा है, फिर भी यह तूफान एक बड़ा खतरा बना हुआ है। तूफान 'बावी' के रविवार सुबह वेनझोऊ के आसपास जमीन से टकराने की संभावना है। इस शहर की आबादी लगभग 1 करोड़ है। सरकारी मीडिया ने बताया कि झेजियांग प्रांत (जहां वेनझोऊ स्थित है) में 17 लाख से ज्यादा लोगों को और पड़ोसी फुजियान प्रांत में 1 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

फिलीपींस में 17 की मौत

हालांकि, जापान और ताइवान में इस तूफान से अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है, लेकिन फिलीपींस में 17 लोगों की मौत हो गई।

बांग्लादेश में बाढ़ से 10 लाख लोग फंसे

बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई और 10 लाख से ज़्यादा लोग फंस गए। अधिकारी शनिवार को प्रभावित इलाकों में मदद पहुंचाने की कोशिश में जुटे रहे। आपदा प्रबंधन मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सात जिलों- चट्टोग्राम, कॉक्स बाजार, बंदरबन, रंगामाटी, खगराचारी, मौलवीबाजार और हबीगंज में बाढ़ से रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ा है, हजारों परिवार अलग-थलग पड़ गए हैं और 2,67,918 परिवार फंस गए हैं। बिजली गुल होने, सड़कों के क्षतिग्रस्त होने और संचार संपर्क टूटने से बचाव और राहत कार्यों में देरी हुई है। कई निवासी कई दिनों से खाना नहीं बना पाए हैं क्योंकि बाढ़ का पानी उनके घरों में घुस गया है। चट्टोग्राम के बाढ़ प्रभावित इलाके के निवासी नूरुल इस्लाम ने कहा, 'हमारे घर के अंदर अभी भी पानी भरा है। हमारे पास जो सूखा खाना था, वह खत्म हो गया है और हम अंधेरे में रातें बिता रहे हैं क्योंकि बिजली नहीं है।

दतिया उपचुनाव

पार्टी में नाराजगी और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने मैदान में उतरे देवड़ा

दतिया/भोपाल। एजेंसी

विधानसभा उपचुनाव से पहले भाजपा में टिकट को लेकर मची अंदरूनी खींचतान को शांत करने के लिए प्रदेश नेतृत्व पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में शनिवार रात प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा दतिया पहुंचे। उनका मुख्य उद्देश्य नाराज कार्यकर्ताओं को मनाना, संगठन में एकजुटता बनाए रखना और चुनाव से पहले पार्टी के भीतर बने असंतोष को खत्म करना है।

दतिया पहुंचने के बाद उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सबसे पहले प्रसिद्ध पीतांबरा पीठ पहुंचे। यहां उन्होंने मां बगलामुखी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। हालांकि, उनके दौरे के दौरान जो तस्वीर सामने आई, उसने भाजपा की अंदरूनी स्थिति पर कई सवाल खड़े कर दिए। आमतौर पर किसी उपमुख्यमंत्री के दौरे पर पार्टी का पूरा जिला संगठन मौजूद रहता है, लेकिन इस बार स्वागत में सिर्फ जिला अध्यक्ष रघुबीर कुशवाहा, महामंत्री भूरे चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बुधोलिया और कुछ चुनिंदा कार्यकर्ता ही दिखाई दिए। कई बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं की गैरमौजूदगी ने संगठन में चल रही नाराजगी को साफ तौर पर उजागर कर दिया।

भाजपा की आज होगी बैठक

सूत्रों के मुताबिक, आज को डिप्टी सीएम भाजपा कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इस बैठक में टिकट कटने से नाराज सभी धड़ों को बुलाया गया है। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव से पहले सभी मतभेद खत्म कर कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाया जाए। बैठक में देवड़ा कार्यकर्ताओं की

शिकायतें सुनेंगे और उन्हें समझाएंगे कि यह चुनाव किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि भाजपा की प्रतिष्ठा और संगठन की साख का सवाल है। भाजपा ने दतिया उपचुनाव में आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने राजघराने से जुड़े कुंवर घनश्याम सिंह को मैदान में उतारा है। ऐसे में मुकाबला बेहद कड़ा माना जा रहा है। पार्टी नेताओं का मानना है कि यदि कार्यकर्ताओं की नाराजगी समय रहते दूर नहीं हुई तो इसका असर सीधे चुनावी नतीजों पर पड़ सकता है।

नतीजों पर टिकी सबकी नजर

भाजपा नेताओं का कहना है कि दतिया में मामला सिर्फ टिकट का नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान से भी जुड़ा है। ऐसे में आज को होने वाली बैठक बेहद अहम मानी जा रही है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि बैठक में कितने कार्यकर्ता शामिल होते हैं और संगठन में एकजुटता को लेकर क्या संदेश निकलकर सामने आता है। फिलहाल, डिप्टी सीएम के दौरे से इतना जरूर साफ हो गया है कि प्रदेश नेतृत्व दतिया की राजनीतिक स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है।

न्यूज विंडो

असम:12 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

दिसपुर। असम के शिवसागर में 12 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने बिहार के 48 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला है। आरोपी फास्ट-फूड विक्रेता है और पीड़िता के पड़ोस में रहता था। पुलिस ने आरोपी को स्थानीय लोगों की मदद से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के माता-पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और हर सुबह काम पर चले जाते हैं। उनकी सबसे बड़ी बेटी माता-पिता के जाने के बाद अपने छोटे भाई-बहनों की देखभाल के लिए घर पर रह जाती थी। आरोपी ने इसी का फायदा उठाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस अधीक्षक मोइदुल इस्लाम ने बताया कि आरोपी ने उसके माता-पिता की अनुपस्थिति का फायदा उठाया और कथित तौर पर उसके घर पर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया।

शिलॉन्ग में बड़ा हादसा, कुएं के अंदर जहरीले धुएं से पांच लोगों की मौत

शिलांग। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग से बड़े हादसे की खबर सामने आई है। जहां लापालांग इलाके के एक कुएं के अंदर जहरीले धुएं के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार को एक निजी निर्माण स्थल पर हुआ। राहत बचाव दल ने शनिवार को सभी शवों को बाहर निकाल लिया। पूर्वी खासी हिल्स के पुलिस प्रमुख विवेक सिएम ने बताया कि चार मजदूर कुएं से पानी निकाल रहे थे तभी जनरेटर से निकलने वाले जहरीले धुएं के कारण उनका दम घुट गया। जिससे उनकी मौत हो गई। मजदूरों को बचाने के लिए उसी इलाके में रहने वाले दो सगे भाई उतरे थे। वे भी मुसीबत में फंस गए। तत्काल बचाव प्रयासों के बावजूद, उनमें से पांच की मौत हो गई है।

बेंगलुरु में 60 करोड़ रुपए से अधिक की ड्रग्स जब्त, आठ लोग गिरफ्तार

बेंगलुरू। एजेंसी

बेंगलुरु पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पांच विदेशी नागरिकों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए ड्रग्स का अनुमानित मूल्य 60.86 करोड़ रुपए है। आरोपितों के पास से 29 किलोग्राम एमडीएमए, 20 ग्राम कोकेन और एक हजार नशीली गोलियां जब्त की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान हेब्बल थाना, सीसीबी मादक पदार्थ रोधी शाखा और गिरिनगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज अलग-अलग मामलों में चलाया। पुलिस दल ने उनके पास से 17.282 किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 34.56 करोड़ रुपए है। वहीं, एक अलग अभियान में सीसीबी मादक पदार्थ रोधी शाखा ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत तीन मामले दर्ज किए और तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया, जिनमें दो नाइजीरियाई और एक दक्षिण अफ्रीकी नागरिक शामिल हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने 6.718 किलोग्राम एमडीएमए और 20 ग्राम कोकेन भी जब्त की, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 14.30 करोड़ रुपए है। ये ड्रग्स दिल्ली के एक आपूर्तिकर्ता से मंगवाए गए थे।

यूक्रेन के हमलों के बाद रूस में गहराया ईंधन संकट, लोगों से वर्क फ्रॉम होम करने की अपील

मॉस्को, एजेंसी

रूस के नोवोसिबिर्स्क इलाके में अधिकारियों ने लोगों से घर से काम करने और कार से यात्रा कम करने को कहा है। ऐसा इसलिए किया गया है, क्योंकि यूक्रेन के तेल रिफाइनरियों पर हमलों की वजह से इलाके में ईंधन का संकट गहरा गया है। लगभग 30 लाख लोगों की आबादी वाला यह इलाका साइबेरिया के सबसे बड़े इलाकों में से एक है और एक बड़ा आर्थिक और मैन्युफैक्चरिंग हब है। यह घोषणा तब की गई है जब इस हफ्ते की शुरुआत में यूक्रेन ने ओम्स्क में एक तेल रिफाइनरी पर हमला किया, जिससे सबसे बड़ी तेल प्रोसेसिंग सुविधाओं में से एक बंद हो गई।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और अधिकारियों के अनुसार, जून के बाद से रूस के 90% से ज़्यादा इलाकों में ईंधन की

कमी देखी गई है। इनमें से कुछ इलाकों में पेट्रोल स्टेशनों पर राशनिंग और जेरी कैन में ईंधन भरने पर रोक लगा दी गई है। रूसी मीडिया के अनुसार नोवोसिबिर्स्क सरकार ने नियोक्ताओं को सलाह दी है कि कंपनी कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहें और ईंधन की खपत कम करें। बता दें कि यूक्रेन ने साढ़े चार साल के युद्ध के दौरान रूस के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया है।

मेट्रो एंकर डब्ल्यूडीएमएमए-2026 रैंकिंग में भारत ने फिर चीन को छोड़ा पीछे, अमेरिका और रूस ही आगे

दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना बनी भारतीय एयर फोर्स

नई दिल्ली। एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी क्षमता और रणनीतिक ताकत का प्रदर्शन करने वाली भारतीय वायुसेना ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट (डब्ल्यूडीएमएमए) की 2026 रैंकिंग में भारतीय वायुसेना लगातार तीसरे स्थान पर बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका पहले और रूस दूसरे स्थान पर हैं, जबकि भारत ने एक बार फिर चीन को पीछे छोड़ दिया है।

डब्ल्यूडीएमएमए की टू वैल्यू रेटिंग (टीवीआर) प्रणाली केवल विमानों की संख्या नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता, ऑपरेशनल दक्षता, लॉजिस्टिक सपोर्ट, आधुनिकीकरण और बेड़े की विविधता का भी मूल्यांकन करती है। भारतीय वायुसेना के पास वर्तमान में 1,716 विमान हैं, जिनमें लड़ाकू,

हेलीकॉप्टर, परिवहन, प्रशिक्षण और विशेष मिशन वाले विमान शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि स्वदेशी रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक ने भारतीय वायुसेना को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। भारतीय वायुसेना ने लगातार पांचवीं बार चीन की वायुसेना को रैंकिंग में पीछे छोड़ा है। इसका सबसे बड़ा कारण संतुलित बेड़ा, बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक हथियार प्रणाली और विविध ऑपरेशनल क्षमता है।

क्या है रेटिंग प्रणाली

वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट (डब्ल्यूडीएमएमए) हर वर्ष दुनिया की प्रमुख वायु सेनाओं का आकलन करती है। इसकी टू वैल्यू रेटिंग (टीवीआर) प्रणाली केवल विमानों की संख्या पर आधारित नहीं होती, बल्कि तकनीकी क्षमता, युद्धक दक्षता, रखरखाव, लॉजिस्टिक सपोर्ट और भविष्य की तैयारियों को भी शामिल करती है। संगठन 103 देशों की 129 वायु सेनाओं और 48 हजार से अधिक सैन्य विमानों का विश्लेषण करता है। यही कारण है कि कम संख्या होने के बावजूद कई देश बेहतर रैंक हासिल कर लेते हैं। भारतीय वायुसेना के पास कुल 1,716 विमान हैं, जिनमें 542 लड़ाकू विमान शामिल हैं। इसके अलावा 498 हेलीकॉप्टर, 282 परिवहन विमान और 374 प्रशिक्षण विमान भी बेड़े का हिस्सा हैं। वायुसेना के पास एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग सिस्टम, हवा में ईंधन भरने वाले विमान और खुफिया जानकारी जुटाने वाले प्लेटफॉर्म भी हैं। एचएएल ध्रुव, रुद्र और अन्य स्वदेशी प्लेटफॉर्म भारतीय वायुसेना की आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाई दे रहे हैं।

दुनिया की टॉप-10 वायु सेनाएं

डब्ल्यूडीएमएमए की 2026 रैंकिंग में अमेरिका 242.9 टीवीआर स्कोर के साथ पहले स्थान पर है, जबकि रूस 114.2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। भारत 69.4 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके बाद चीन, जापान, इजरायल, फ्रांस, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और इटली का स्थान है। यह रैंकिंग स्पष्ट करती है कि आधुनिक युद्ध में केवल संख्या नहीं, बल्कि तकनीक, रणनीति और ऑपरेशनल क्षमता ही असली ताकत होती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564